रीवा
29 अप्रैल 2026 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

प्रधानमंत्री मोदी ने गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेला

'सिक्किम पूर्वी भारत का स्वर्ग', पीएम मोदी ने 50वें स्थापना दिवस पर दी 4000 करोड़ की सौगात

सोशल मीडिया पर कहा- एनर्जी से भर गया

गंगटोक,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में 4,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम को पूर्वी भारत का स्वर्ग बताते हुए प्रकृति प्रेमी पर्यटकों से राज्य के ऑर्किडेरियम का भ्रमण करने का आग्रह किया। गंगटोक में संबोधन के दौरान पीएम ने कहा कि सिक्किम एक भारत श्रेष्ठ भारत का सशक्त प्रतीक है, खासकर ऐसे समय में जब देश को धर्म और राजनीति के आधार पर बांटने के प्रयास हो रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम की स्वच्छ सड़कें और शुद्ध हवा इस बात का प्रमाण हैं कि यहां के लोग प्रकृति संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार का मुख्य फोकस यहां कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

पीएम मोदी ने सिक्किम में बच्चों के साथ खेली फुटबॉल

इससे पहले पीएम मोदी सुबह युवाओं के बीच पहुंचे और उनके साथ फुटबॉल खेलकर माहौल को जोश से भर दिया। सिक्किम दौरे के दौरान पीएम ने इस खास पल को सोशल मीडिया पर भी साझा किया और लिखा कि गंगटोक की सुबह में युवाओं के साथ फुटबॉल खेलना उनके लिए एक बेहद ऊर्जा देने वाला अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ खेलते हुए उन्हें नई ऊर्जा और सकारात्मकता का एहसास हुआ।

मुंबई में दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर पहलगाम जैसा हमला

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, मना करने पर चाकू मारे; एटीएस बोली- ये आतंकी अटैक

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई के मीरा रोड में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी जैब जुबेर अंसारी (31) ने सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक निर्माणाधीन इमारत के पास तैनात गार्ड्स को कलमा पढ़ने को कहा। उन्होंने मना किया तो आरोपी ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया।

घायल गार्ड्स राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो सेन को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह हमला पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले जैसा है। वहां भी आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछा था। कलमा न पढ़ने वालों को गोलियां मारी थीं।

मामले की जांच कर रही महाराष्ट्र ATS इस घटना को आतंकी हमला मान रही है। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और कई साल तक अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। मीरा रोड में अकेले रहकर वह ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था।

CM बोले- आरोपी हिंदुओं पर हमला करना चाहता था

घटना को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि आरोपी जिहाद के नाम पर हिंदुओं को निशाना बनाना चाहता था। CM ने बताया कि यह मामला आत्म-उग्रवादीकरण (सेल्फ-रैडिकलाइजेशन) का लगता है। आरोपी के घर से कुछ किताबें और आपत्तिजनक सामान बरामद हुए हैं। वह अमेरिका में रहता था और हाल ही में भारत लौटा था।

सीएम के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह कट्टरपंथी बन गया था और जिहाद के नाम पर हिंदुओं पर हमला करना चाहता था। इस मामले की जांच फिलहाल महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (ATS) और NIA कर रही है।

ATS ने सुरक्षा गार्डों पर हुए हमले की जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां इसे संभावित 'लोन वुल्फ' आतंकी हमला मान रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी ने पहले गार्डों से रास्ता पूछा और फिर वापस आकर उनका धर्म पूछा।

आरोपी ने नोट्स में ISIS में शामिल होने की इच्छा जताई

यह भी आरोप है कि आरोपी ने एक गार्ड को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया और जब वह ऐसा नहीं कर पाया, तो आरोपी ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पुलिस को आरोपी के घर कुछ हाथ से लिए नोट्स मिले हैं।

भारत लाया गाया दाऊद इब्राहिम का करीबी सलीम डोला, दिल्ली में हो रही पूछताछ; आगे एनसीबी को सौंपा जाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को बीते दिनों तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद अब उसे भारत को प्रत्यर्पित कर दिया गया है। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के बाद हुई है। मंगलवार तड़के एक विशेष विमान से उसे दिल्ली एयरपोर्ट लाया गया, जहां भारतीय खुफिया एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया। अब उससे दिल्ली में पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच के लिए उसे मुंबई स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंपा जाएगा।

बता दें कि सलीम डोला को हाल ही में तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जो भारत की एजेंसियों के अनुरोध पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने जारी करवाया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, डोला एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका कारोबार लगभग 5000 करोड़ रुपये तक फैला हुआ था।

दावा- ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार

अमेरिका से भी नाकेबंदी हटाने को कहा, ट्रम्प ने पेशकश ठुकराई, न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने पर अड़े

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए रविवार को एक नया प्रस्ताव दिया था।

इसमें मुख्य रूप से 3 शर्तें थीं-

1. अमेरिका-इजराइल के साथ चल रहा युद्ध खत्म हो और आगे हमला न करने की गारंटी मिले
2. फिर अमेरिका की समुद्री नाकेबंदी हटे, होर्मुज खुले और जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू हो ।
3. सबसे आखिर में परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम संवर्धन जैसे विवादित मुद्दों पर बात हो ।

हालांकि ट्रम्प इस प्रस्ताव को मानने को तैयार नहीं हैं। CNN के मुताबिक ट्रम्प सरकार का मानना है कि अगर बिना परमाणु कार्यक्रम का मामला सुलझाए बिना होर्मुज खोला, तो बातचीत में अमेरिकी पक्ष कमजोर हो जाएगा।

दूसरे चरण का प्रचार खत्म, 142 सीटों पर वोटिंग आज

ममता के आपत्तिजनक कैरीकेचर पर चुनाव आयोग ने पुलिस से कहा, सख्त एक्शन लें

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। चुनाव आयोग ने पुलिस को आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। यह पोस्ट कथित तौर पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को निशाना बनाकर की गई थी।

आपत्तिजनक पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए, TMC ने दावा किया था कि क्क के BJP समर्थक ने सोशल मीडिया पर ममता बनर्जी का एक अपमानजनक, अश्लील और अत्यधिक आपत्तिजनक कैरिकेचर बनाया था। पार्टी ने कहा कि औपचारिक शिकायत के बाद इस पोस्ट को हटा दिया गया था।

दूसरे चरण की वोटिंग के लिए प्रचार सोमवार शाम को खत्म हो गया। बुधवार को होने वाला मतदान चुनाव की दिशा और सत्ता का रास्ता तय करेगा।

ममता बनर्जी ने प्रचार के आखिरी घंटों में दक्षिण कोलकाता में रोड शो किया। सुकांत सेतु से गोपालनगर क्रॉसिंग तक समर्थकों की भीड़ के बीच 6 किमी लंबे रोड शो में ममता पैदल चलीं। इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेहाला में एक जनसभा में कहा कि बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल कम से कम सात दिन तक तैनात रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में वकील बोले- मस्जिद सभी के लिए खुली

हिजाब धर्म में जरूरी, लेकिन स्कूल में नहीं पहन सकते; कई परंपराएं कुरान में नहीं लिखीं

नई दिल्ली,एजेंसी। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। आज सुनवाई का 9वां दिन है।

मस्जिद दरगाह में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ दलील दे रहे एडवोकेट निजाम पाशा ने कहा कि कोई व्यक्ति हिजाब को धार्मिक रूप से अनिवार्य मान सकता है, लेकिन स्कूल के नियम अलग हो सकते हैं। मतलब धार्मिक विश्वास हमेशा संस्थागत नियमों से ऊपर नहीं होगा।

अगर किसी मोहल्ले की मस्जिद सबके लिए खुली हो तो

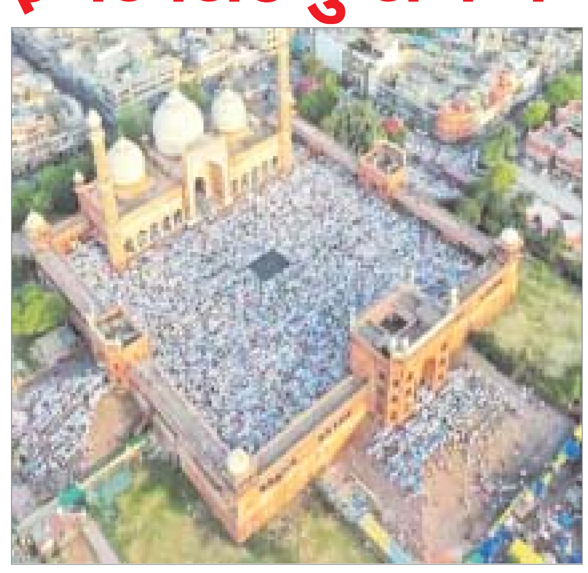

भी कोई जाकर घंटी नहीं बजा सकता।

आरती नहीं कर सकता, क्योंकि उस जगह की अपनी धार्मिक मर्यादा है। कुरान बहुत संक्षिप्त है। उसमें हर प्रथा डिटेल में नहीं लिखी। पैगंबर की परंपरा भी धार्मिक प्रथा का हिस्सा है। मतलब सिर्फ किताब में लिखा होना ही 'जरूरी अधिकार' तय नहीं करता।23 अप्रैल को पिछली सुनवाई में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कोर्ट से कहा था कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से नहीं रोकता, लेकिन यह बेहतर है कि वे घर पर ही इबादत करें।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत

75 घायल; 6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

काबुल/इस्लामाबाद,एजेंसी। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं।

BBC के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया।तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

भाजपा मंत्री नितेश राणे को 1 महीने जेल की सजा

मुंबई-गोवा हाइवे पर NHAI इंजीनियर पर कीचड़ फेंका था; 29 आरोपी बरी

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने सोमवार को इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया गया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी कर दिया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने NHAI के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर वे नाराज हो गए। राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया। उस समय नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

भोजशाला विवाद

हाई कोर्ट में एएसआई की भूमिका पर उठे सवाल, इंटरवीनर पक्ष का दावा- सर्वे रिपोर्ट संदेहास्पद

इंदौर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में नियमित सुनवाई सोमवार को जारी रही। इस दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर सवाल उठाए गए। एएसआई ने 1998 में पेश जवाब में कहा था कि भोजशाला मंदिर है या मस्जिद इस बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता और अब वही एएसआई भोजशाला को मंदिर बता रहा है।

मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में मंगलवार को भोजशाला मामले में हस्तक्षेपकर्ता काजी जकुल्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने तर्क रखे। लगभग दो घंटे चली सुनवाई के दौरान उन्होंने शोभा मेनन ने सरकार और एएसआई की रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे संदेहास्पद बताया।

वरिष्ठ अभिभाषक मेनन ने इस मामले में याचिका दायर करने वाले हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी की ओर से पेश की गई दोनों याचिकाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस को लेकर कहा कि ये ट्रस्ट 2021 में अस्तित्व में आया और वर्ष 2022 में

उसने भोजशाला को लेकर जनहित याचिका दायर कर दी। इसी तरह याचिकाकर्ता तिवारी ने याचिका में खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताया है लेकिन उन्होंने क्या समाजसेवा की है, उसके बारे में कोई जानकारी कोर्ट में नहीं रखी।

मेनन ने अदालत में कहा कि यह मामला जनहित याचिका नहीं, बल्कि टाइटल सूट (स्वामित्व विवाद) का है, जिसकी सुनवाई सिविल कोर्ट में ही होनी चाहिए। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं ने आर्टिकल 226 के तहत जनहित याचिका दायर की है, जबकि यह स्पष्ट रूप से दीवानी का मामला है। ऐसे में उच्च न्यायालय को इस पर भारी कॉस्ट लगानी चाहिए।

मेनन ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी वास्तविक पेशे की जानकारी छिपाकर खुद को समाजसेवी बताया। पहले इसी तरह की याचिका (1997) सिविल सूट दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ली गई थी। इसके बावजूद आज तक सिविल कोर्ट में कोई वाद दायर नहीं किया गया। वर्तमान याचिका विलंब से दायर की गई है और नियमों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने दोनों याचिकाओं को निरस्त करने की मांग की।

सरकार के रुख में विरोधाभास

सुनवाई के दौरान मेनन ने एएसआई और सरकार के अलग-अलग समय पर दिए गए बयानों में विरोधाभास को बताया। उन्होंने कहा कि पहले विवादित स्थल को न मंदिर, न मस्जिद बताया गया। अब एएसआई इसे केवल मंदिर बता रही है। इससे सरकार की भूमिका संदेहास्पद प्रतीत होती है और याचिकाकर्ताओं को समर्थन मिलने का संकेत मिलता है।

गुवाहाटी में भीषण सड़क हादसा, महिला को ऑटोवैन ने कुचला

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी के उलूबारी स्थित बी बरूआ महाविद्यालय के समीप बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में सीता देवी नामक एक महिला को एक तेज रफ्तार ऑटोवैन ने कुचल दिया। हादसे में महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना को अंजाम देने के बाद वाहन चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस द्वारा आरोपित चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। उलुबाड़ी लालमाटी स्थित सीता देवी के आवास पर घटना के बाद शोकाकुल वातावरण व्याप्त है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लॉरी पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत

उत्तर दिनाजपुर , एजेंसी। जिले के मोहम्मदपुर से सटे नेशनल हाईवे नंबर 12 पर दालखोला बाईपास इलाके में हुए सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह की है। मृत महिला का नाम गुरकी बेगम (65) है। इस घटना में टोटो ड्राइवर समेत चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, एक लॉरी ने एक टोटो को टक्कर रबु दी। इस घटना में टोटो में सवार एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में रायगंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लॉरी इतनी तेज़ रफ़्तार से आ रही थी कि अनियंत्रित हो गई और एक यात्रियों से भरी टोटो को टक्कर मार दी। इस वजह से टोटो नेशनल हाईवे के डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर दालखोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को बचाकर गंभीर हालत में अस्पताल भेजा। मृत महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए रायगंज जिला अस्पताल भेज दिया गया। घटना किस वजह से हुई पुलिस जांच में जुटी है।

श्रीनगर में 5 मई को रोजगार मेला, ऑटोमोबाइल सेक्टर की नामी कंपनियां लेंगी हिस्सा

देहरादून , एजेंसी। कौशल विकास व सेवायोजन विभाग के तत्वावधान में 5 मई, को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), श्रीनगर (गढ़वाल) में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला पूर्वाह्न 11 बजे से प्रारंभ होगा। लैंसडाउन के क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी उत्तम कुमार ने मंगलवार को बताया कि इस रोजगार मेले में हरिद्वार परिक्षेत्र की ऑटोमोबाइल सेक्टर की प्रतिष्ठित कंपनियां जैसे जेके टायर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स, रॉकमैन, शिवम ऑटोटेक तथा मुंजाल शोवा सहित लगभग 10 से 12 औद्योगिक इकाइयों के प्रतिभाग करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से लगभग 700 से 800 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी, हालांकि रिक्तियों की संख्या आवश्यकता के अनुसार परिवर्तनीय हो सकती है। सेवायोजन अधिकारी ने कहा कि रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई (फिटर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, ऑटोमोबाइल), डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल) तथा बीएससी स्नातक निर्धारित की गयी है। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थियों से अपेक्षा की गयी है कि वे अपने साथ नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो, अद्यतन बायोडाटा, सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं सेवायोजन पंजीकरण प्रमाण पत्र लेकर निर्धारित तिथि एवं समय पर मेले में उपस्थित हों।

कुआं में गिरने से महिला की मौत

गुवाहाटी, एजेंसी। राजधानी गुवाहाटी के मालीगांव इलाके में एक महिला की मौत कुआं में गिरने की वजह से हुई। जिसके बाद इलाके में मातम छा गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मालीगांव के आदिमगिरी पहाड़ी इलाके में पहाड़ पर जंगली साग लेने गई महिला फिसल कर एक कुएं में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने महिला को 40 फीट गहरे कुएं से बाहर निकला। कुंए से बाहर निकाले जाने तक महिला की मौत हो चुकी थी। मृत महिला की पहचान पूर्णिमा डेका के रूप में की गई है। दुर्घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है । पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गुवाहाटी के मठघरिया सड़क हादसे का फरार चालक डिब्रूगढ़ में गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (असम), एजेंसी। गुवाहाटी के मठघरिया में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद फरार चल रहे चालक समीम अहमद को आखिरकार डिब्रूगढ़ जिले के लाहोवाल से पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी डिब्रूगढ़ पुलिस द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, रविवार तड़के हुए हादसे के बाद से ही आरोपित चालक फरार था और लगातार ठिकाना बदल रहा था। गुवाहाटी पुलिस की एक टीम उसे अपने साथ लेकर डिब्रूगढ़ से गुवाहाटी के लिए रवाना हो गई है। जानकारी के मुताबिक, समीम अहमद का मूल निवास त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में है, हालांकि वह गुवाहाटी के जयनगर क्षेत्र में रह रहा था। उल्लेखनीय है कि रविवार को तड़के मठघरिया गेट अस्पताल के सामने खड़े एक ट्रक (एएस-01जीपी-0562) को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी थी, कार में सवार तीन युवतियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही चालक फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। अब गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में कोरियर के जरिये अमेरिका समेत अन्य देशों में भेजी जा रही थीं प्रतिबंधित दवाएं, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित प्रतिबंधित श्रेणी की नशे में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच की टीम ने सरगना समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय कोरियर सर्विस के जरिए अमेरिका समेत अन्य देशों में प्रतिबंधित दवाओं को भेजने में शामिल था। आरोपित फार्मास्यूटिकल सप्लायरों और बिचौलियों के जरिए जोलपिडेम, ट्रामाडोल और डायजेपाम जैसी दवाएं खरीदते थे। इसके बाद इन दवाओं को फैंसी सामान जैसे लेस और काटन उत्पादों के बीच छिपाकर पार्सल तैयार किया जाता था। पकड़े जाने से बचने के लिए नकली केवाईसी दस्तावेज और फर्जी इनवाइस का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित श्रेणी की दवाएं बरामद की हैं। उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, इस पूरे रैकेट का भंडाफोड़ बीते वर्ष 25 सितंबर को हुआ था, जब मोती नगर स्थित राम रोड के एक कोरियर वेयरहाउस में अमेरिका भेजे जा रहे एक संदिग्ध पार्सल को पकड़ा गया। कोरियर अधिकारियों को पार्सल की बुकिंग

और पैकिंग पर संदेह हुआ, जिसके बाद इसकी जांच की गई। जांच के दौरान सामान्य सामान के बीच छिपाकर रखी गई साइकोट्रोपिक दवाएं बरामद हुईं। इसके बाद तत्काल एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में ही पुलिस को अंदेशा हो गया था कि मामला किसी बड़े और संगठित नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। तफ्तीश के दौरान पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों की डिटेल, वाट्सएप चैट, कोरियर दस्तावेजों और गवाहों के बयान को खंगाला। इन सभी पहलुओं को जोड़ने पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले सिंडिकेट का पता चला, जिसमें दवाओं की पैकेजिंग, फर्जी बिलिंग, कोरियर रूटिंग और पेमेंट कलेक्शन तक की पूरी सप्लाई चेन तरीके से संचालित की जा रही थी।

लगातार निगरानी और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पांच आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान सरगना यासर खान, अभिषेक भार्गव, नितिन, नीरज राघव और अमितेश राय के रूप में हुई। आरोपितों के कब्जे से जोल्पिडेम की 350 स्ट्रिप (3,505 टैबलेट) और ट्रामाडोल की 250 स्ट्रिप (2,510 टैबलेट) बरामद की।

इसके अलावा अभिषेक भार्गव के कब्जे से 264 ग्राम जोल्पिडेम, 666 ग्राम डाइजेपाम और 349.83 ग्राम ट्रामाडोल भी बरामद की गई, जो विदेशी बाजार में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए तैयार की गई थीं।

फर्जी इनवायस तैयार कर करते थे एक्सपोर्ट : पूछताछ में पता चला कि आरोपित फार्मास्युटिकल चैनल के जरिए दवाएं हासिल करते थे। इसके लिए वे फर्जी या हेरफेर किए गए इनवायस का इस्तेमाल करते थे, ताकि खरीद-फरोख्त को वैध दिखाया जा सके। दवाओं के बैच नंबरों को जानबूझकर मार्कर से मिटा दिया जाता था, जिससे उनकी पहचान खत्म हो जाए और जांच एजेंसियां सप्लाई चेन तक न पहुंच सकें। इसके बाद इन दवाओं को काटन, लेस या अन्य सामान्य घरेलू सामान के बीच छिपाकर कोरियर पार्सल में पैक किया जाता था। पार्सल बुकिंग के दौरान आरोपित फर्जी केवाईसी दस्तावेज और नकली सेंडर डिटेल्स का इस्तेमाल करते थे।

अलग-अलग एजेंटों के जरिए भेजा जाता था पार्सल : इतना ही नहीं, वे पार्सल को सीधे मुख्य कोरियर कंपनी तक पहुंचाने के बजाय पहले स्थानीय एजेंटों के जरिए अलग-अलग चरणों में ट्रांसफर करते थे, जिससे ट्रैकिंग और पहचान करना मुश्किल हो जाता था। विदेशों में बैठे ग्राहकों के पते, आर्डर और अन्य जरूरी जानकारी वाट्सएप के माध्यम से साझा की जाती थी। वहीं पेमेंट को छिपाने के लिए बैंक खातों और यूपीआइ चैनलों का उपयोग किया जाता था, जिनमें यासर खान की कंपनी ‘’’’जयबार सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड’’’’ का खाता भी शामिल था।

इस तरह आपरेट हो रहा था पूरा गिरोह... : जांच में पता चला है कि यासर खान इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड है, जो विदेशों में मौजूद ग्राहकों से सीधे संपर्क में रहता था और उनकी मांग के अनुसार दवाओं की सप्लाई सुनिश्चित करता था। वह ही पार्सल भेजने की पूरी रणनीति तय करता था, जिसमें कंसाइनी एड्रेस, पेमेंट मैकेनिज्म और लाजिस्टिक अरेंजमेंट शामिल होते थे। पुलिस के मुताबिक, यासर खान पहले भी लखनऊ में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में संलिप्त रह चुका है।

गर्मी से राहत के आसार, दक्षिण और उत्तर बंगाल में आंधी-बारिश का पूर्वानुमान

कोलकाता, एजेंसी। राज्य में पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग की ओर से राहत भरी खबर आई है। बताया गया है कि मतदान के दिन बुधवार को कोलकाता समेत कई जिलों में हवा की रफ्तार लगभग 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। वहीं उत्तर बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में गिरावट आने का अनुमान है। भीषण गर्मी के बीच तापमान थोड़ा कम होने से लोगों को कुछ राहत मिली है। मंगलवार सुबह कोलकाता का न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक है। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की

गई है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बर्धमान और नदिया में हल्की बारिश के साथ तेज हवा चल सकती है। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अन्य जिलों में हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने का अनुमान है। बुधवार से दक्षिण बंगाल में आंधी-बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। उस दिन कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना में आंधी-बारिश की संभावना अधिक है। इसके अलावा पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, पूर्व और पश्चिम बर्धमान में भी ऐसी ही स्थिति रह सकती है। मौसम विभाग ने दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में अगले शनिवार तक आंधी-बारिश की चेतावनी दी है। उत्तर बंगाल में भी फिलहाल आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कालिम्पोंग और अलीपुरद्वार में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों में शुक्रवार तक कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा

मुंबई एजेंसी। मुंबई में गार्ड्स पर हमला;ATS बोली- ISIS के दस्तावेज मिले, अकेले हमला प्लान किया । मुंबई के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र ने उसके घर से से जुड़े नोट्स, एक लैपटॉप और कुरान की 3 कॉपियां बरामद की हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हमला अकेले प्लान किया था।

आरोपी 2020 में अमेरिका से लौटा, कोचिंग देता था : घटना के करीब डेढ़ घंटे भीतर ही नया नगर पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और वह 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। वह 2022 से मीरा रोड स्थित स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेले रहकर ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पत्नी अफगानी हैं। वह उसे छोड़कर अमेरिका चली गई हैं। के मुताबिक, यह लोन वुल्फ अटैक का मामला है। यानी एक ऐसा आतंकवादी हमला, जिसे किसी आतंकी संगठन की मदद या निर्देश के बिना एक अकेला व्यक्ति खुद की योजना बनाकर अंजाम देता है।

आरोपी ने नोट्स में में शामिल होने की इच्छा जताई : माना जा रहा है कि अकेलेपन के दौरान आरोपी इंटरनेट के जरिए कट्टरपंथी बन गया। जांच एजेंसियों ने उसके घर की तलाशी ली। वहां हाथ से लिखे कुछ नोटस् मिले हैं। इन नोट्स में आरोपी ने में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उसने सिक्योरिटी गार्ड्स पर हमले को किसी आतंकी संगठन में शामिल होने की दिशा में अपना पहला कदम बताया था। आरोपी के घर से कुछ किताबें और आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुए हैं। एजेंसियां अब उसके मोबाइल फोन और लैपटॉप की भी जांच कर रही हैं।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम ‘सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन’ (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा। इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

अमेरिका में धार्मिक जगहों पर बढ़ते हमले: बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। ‘हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन’ ने कहा कि पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है। ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, ‘मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को

तैयार नहीं हूं।’ जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है।

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार: जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन: एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा।

इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल: हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल।

अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं।

पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी।

जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

हमलावर ने बनाए थे कड़े नियम: बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था ‘लॉ एन्फोर्समेंट’ यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची।

मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासे: कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, ‘प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।’ चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था।

25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम

यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा-तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट: सिर्फ 5-7 दिनों का कच्चा तेल शेष, पेट्रोलियम मंत्री परवेज मलिक ने कबूली लाचारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने चेताया है कि देश के पास अब केवल पांच से सात दिनों का कच्चा तेल शेष बचा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और लाल सागर में उपजे संकट ने पाकिस्तान की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में तेल की नई खेप नहीं पहुंचती है, तो देश में परिवहन और उद्योग पूरी तरह ठप हो सकते हैं। मंत्री मलिक ने भारत की रणनीतिक क्षमता का जिक्र करते हुए अपनी बेबसी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास कोई ठोस ऑयल रिजर्व नहीं है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि हम भारत की तरह सक्षम नहीं हैं। भारत एक सिग्नेचर करके अपने रिजर्व से

60-70 दिनों का तेल रिलीज कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि यहां बाहरी झटकों को सहने की रत्ती भर भी क्षमता नहीं बची है। एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं- अली परवेज मलिक पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि देश के पास एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं है। उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को इस संकट की मुख्य वजह बताया। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को तत्काल एक प्रभावी ऊर्जा सुरक्षा योजना की आवश्यकता है, अन्यथा देश पूरी तरह ठप हो सकता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने पाकिस्तान की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने साफ कर दिया है कि वे रूसी और ईरानी तेल पर दी गई छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएंगे।

रेलवे परियोजना को रफ्तार देने कलेक्टर का निरीक्षण, 'रेलवे चौपाल' से समस्याओं के त्वरित समाधान की पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेलवे लाइन परियोजना के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने तहसील रामपुर नैकिन के ग्राम झांझ से चुरहट तक संचालित रेलवे निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान रेलवे एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम भी मौजूद रही। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और निर्धारित समय-सीमा का गहनता से अवलोकन किया उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य तय समयावधि में पूर्ण किए जाएं और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाकर प्रक्रियाओं को तेज किया जाए, ताकि परियोजना में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह परियोजना क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से भी संवाद किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं, सुझाव और चिंताओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि किसी भी विकास परियोजना की सफलता में स्थानीय लोगों की भागीदारी और संतुष्टि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए भू-अर्जन से संबंधित समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए 'रेलवे चौपाल' आयोजित करने का निर्णय लिया गया है यह पहल प्रभावित नागरिकों को सीधे प्रशासन से संवाद का अवसर प्रदान करेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 मई को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक रामपुर नैकिन, चुरहट एवं सीधी रेलवे स्टेशन पर रेलवे चौपा का आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों में राजस्व, रेलवे और भू-अर्जन से जुड़े विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे जो मौके पर ही नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करेंगे। प्रशासन ने यह भी जानकारी दी है कि 24 अप्रैल 2026 तक प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द राहत मिल सके यह पहल न केवल समस्याओं के समाधान को तेज करेगी बल्कि प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को भी मजबूत बनाएगी। रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे परियोजना क्षेत्र के विकास की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही है इसके पूर्ण होने से आवागमन सुगम होगा व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। जिला प्रशासन की यह सक्रियता दर्शाती है कि विकास कार्यों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे चौपाल जैसी पहलें निश्चित रूप से आम नागरिकों के विश्वास को मजबूत करेंगी और परियोजना के सफल क्रियान्वयन में सहायक साबित होंगी।

चंगेरा में अवैध कोयला खनन पर कार्रवाई: दो खदानें बंद, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली कोयला जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहडोल जिले के ग्राम चंगेरा में अवैध कोयला खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर दो पुरानी खदानों में चल रहे अवैध खनन को पकड़ा और उन्हें तुरंत बंद करा दिया।

जेसीबी से खदानें बंद कराई गईं: कार्रवाई के दौरान टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से दोनों खदानों को बंद किया। मौके से लगभग एक ट्रैक्टर-ट्रॉली कोयला भी जब्त किया गया जिसे बुढ़ार थाना की अभिरक्षा में रखा गया है।

ग्रामीण करते थे अवैध खनन: जानकारी के अनुसार ग्रामीण बोरियों में कोयला भरकर निकालते थे और उसे आसपास के ईंट भट्टों में बेचते थे यह अवैध खनन लंबे समय से चल रहा था शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान टीम ने मौके पर मौजूद अन्य छोटे गड्ढों और अस्थायी खदानों को भी बंद कराया। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले भी कई खदानें बंद की जा चुकी हैं लेकिन कुछ जगहों पर फिर से खनन शुरू हो गया था। खनि निरीक्षक अभिषेक पटले ने कहा कि अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे न केवल सरकारी राजस्व का नुकसान होता है बल्कि पर्यावरण और सुरक्षा को भी खतरा होता है।

एक साल के मासूम का अपहरण : फूफा निकला आरोपी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक साल के मासूम बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है बच्चे का अपहरण उसके फूफा ने ही किया था पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना मैर गांव की है। रात करीब 9 बजे बच्चे की मां संगीता देवी ब्यौहारी थाने पहुंचीं और बताया कि उनका एक साल का बेटा महेंद्र (पिता पुरन) लापता हो गया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि बच्चे का फूफा उमेश सिंह उसे खिलाने के बहाने गोद में लेकर गया था लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने रातभर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की और करीब पांच स्थानों पर दबिश दी लेकिन आरोपी हर जगह से फरार मिला। ुबह होते-होते साइबर सेल और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिला पता चला कि आरोपी उमेश सिंह अपने घर से लगभग 10 किलोमीटर दूर भमरहा के जंगल में एक झोपड़ी में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया मासूम महेंद्र को उसके पास से सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी उमेश सिंह ने अपहरण का चौंकाने वाला कारण बताया उसने कहा कि उसकी पत्नी कुछ दिन पहले अपने मायके मैर गांव आ गई थी और वापस जाने से इनकार कर रही थी। साथ ही उसने आरोपी को अपने बच्चों से मिलने भी नहीं दिया इसी बात से नाराज होकर उसने अपने साले के बेटे का अपहरण कर लिया था। मासूम को सकुशल वापस पाकर मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा वह बच्चे को सीने से लगाकर रो पड़ी थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि पुलिस ने पूरी रात बिना रुके कार्रवाई की और गांव वालों की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली फिलहाल आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है इस कारवाही में थाना प्रभारी के साथ राजेंद्र द्विवेदी नरेंद्र उपाध्याय सुखेन्द्र और चित्रांशी शुक्ला सहित अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

टीएलएम प्रदर्शनी में दिखा शिक्षकों का नवाचार और समर्पण, कलेक्टर बोल, शिक्षक ही भविष्य के असली निर्माता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। टाटा कॉलेज में आयोजित इस प्रदर्शनी ने शिक्षकों के नवाचार, रचनात्मकता और समर्पण को उजागर करते हुए शिक्षा में सकारात्मक बदलाव की मजबूत तस्वीर पेश की। कार्यक्रम का अवलोकन करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने शिक्षकों के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक नवाचार के साथ पढ़ाते हैं तो शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहती बल्कि बच्चों के समग्र विकास का माध्यम बन जाती है। उन्होंने इस प्रदर्शनी को जिले में शिक्षा सुधार की मजबूत नींव बताते हुए इसे निरंतर आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को उनकी स्थानीय बोली और सरल भाषा में पढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल उनकी समझ बेहतर होती है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी विकसित होता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपने कार्य को केवल नौकरी न मानें बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण दायित्व समझकर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएं उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा शिक्षक ही वह शक्ति हैं जो देश के भविष्य को दिशा देते हैं। इस दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभिक शिक्षा मजबूत होगी तो आगे की शैक्षणिक यात्रा स्वत: सुदृढ़ हो जाएगी। साथ ही जिले में अपनाई जा रही श्रेष्ठ शिक्षण पद्धतियों (बेस्ट प्रैक्टिसेस) को सभी स्कूलों में लागू करने के निर्देश भी दिए। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद नियमित रूप से विद्यालय पहुंचकर बच्चों को शिक्षित करने वाले शिक्षक समाज के सच्चे नायक हैं। ऐसे समर्पित शिक्षकों को 'स्टार ऑफ द मंथ' जैसे सम्मान का वास्तविक हकदार बताते हुए उन्होंने उनका मनोबल बढ़ाया। प्रदर्शनी में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने विभिन्न शिक्षण मॉडल प्रस्तुत किए जिनमें बच्चों की समझ को सरल और रोचक बनाने के लिए अभिनव तरीकों का उपयोग किया गया था। कलेक्टर ने प्रत्येक मॉडल का अवलोकन कर शिक्षकों को आवश्यक सुझाव दिए और उनके प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

जनसुनवाई बनी राहत का मंच: 334 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई, स्वास्थ्य जांच और आधार सेवाएं एक ही स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सीधी में आयोजित जनसुनवाई इस बार आमजन के लिए राहत, सुविधा और भरोसे का प्रभावी मंच बनकर उभरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं उपस्थित होकर लगभग 334 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई की खास बात यह रही कि प्रक्रिया को पूरी तरह सरल और सुगम बनाया गया आवेदन लिखने में कठिनाई का सामना करने वाले नागरिकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई जहां विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर्स उनकी मदद करते नजर आए। प्राप्त सभी आवेदनों को तत्काल जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज कर पावती दी गई, जिससे प्रत्येक प्रकरण की पारदर्शी मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग सुनिश्चित हो सकी। कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि हितग्राही मूलक योजनाओं से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकृत किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक आवेदक को समय पर कार्रवाई की जानकारी दी जाए ताकि प्रशासन के प्रति उनका विश्वास बना रहे। यदि कोई आवेदन अमान्य पाया जाता है तो उसके कारण स्पष्ट रूप से बताने के निर्देश भी दिए गए जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों को एक ही छत के नीचे कई महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया गया जिससे लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सकी। इसके साथ ही आधार अपडेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई जिससे नागरिकों को अलग-अलग स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और समय की बचत हुई। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। जनसुनवाई में आने वाले नागरिकों के लिए कूलर, स्वच्छ पेयजल और छाया की पर्याप्त व्यवस्था की गई जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह व्यवस्था नागरिकों के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने भी आवेदकों की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई। यह जनसुनवाई न केवल शिकायतों के त्वरित समाधान का माध्यम बनी, बल्कि प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करने का एक प्रभावी प्रयास भी साबित हुई। इस पहल ने यह संदेश दिया कि यदि प्रशासन संवेदनशील और जवाबदेह हो तो जनसमस्याओं का समाधान सरल और प्रभावी तरीके से किया जा सकता है।

रामपुर नैकिन में 30 अप्रैल को युवा संगम रोजगार मेला, युवाओं को मिलेंगे नौकरी व स्वरोजगार के अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेल का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में होगा। यह मेला शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर नैकिन परिसर में प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

कई कंपनियां होंगी शामिल: मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर की कई प्रतिष्ठित निजी कंपनियां भाग लेंगी। इनमें ग्लोबल मैनपावर सर्विसेज, स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्रा. लि., हाइटेक गियर प्रा. लि., सिनसुजा माइक्रो क्रेडिट प्रा. लि., के.के. इंटरप्राइजेज, बजाज ऑटो प्रा. लि., आदित्य बिरला (पुणे), प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. (रीवा/सतना), सीआईआईएमसीसी इंदौर, एससीएन ग्लोबल प्रा. लि. और एसआईएस सिक्योरिटी सर्विसेज (सिंगरौली) सहित अन्य कंपनियां शामिल होंगी।

सभी शैक्षणिक योग्यताओं के लिए अवसर: जिला रोजगार अधिकारी के अनुसार मेले में 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा एवं बीई/बी-टेक (विशेषकर मैकेनिकल इंजीनियरिंग) योग्यता वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। मेले में युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं, ऋण सुविधाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। चयनित अभ्यर्थियों को सीधी, रीवा, सतना, जबलपुर, इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा अहमदाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली, औरंगाबाद, भिवाड़ी, पुणे और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

जिला रोजगार अधिकारी ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर इस रोजगार मेले का अधिकतम लाभ उठाएं।

नगरपालिकाओं की मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए अधिकारियों की नियुक्ति, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिए जिले में अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) विकास मिश्रा द्वारा आदेश जारी किया गया है।

नियमों के तहत नियुक्तिय: म.प्र. नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम-3(2) के अंतर्गत पुनरीक्षण कार्य हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

नगर पालिका परिषद सीधी: नगर पालिका परिषद सीधी के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा तहसीलदार, गोपद बनास को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर, सीधी को अपीलीय प्राधिकारी बनाया गया है।

नगर परिषद चुरहट: नगर परिषद चुरहट हेतु सा गौतम (प्रभारी तहसीलदार) को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नायब तहसीलदार चुरहट को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चुरहट को अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

नगर परिषद रामपुर नैकिन: रामपुर नैकिन के लिए आशीष कुमार मिश्रा (प्रभारी तहसीलदार) को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नायब तहसीलदार को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चुरहट/रामपुर नैकिन को अपीलीय प्राधिकारी बनाया गया है।

नगर परिषद मझौली : नगर परिषद मझौली हेतु दिलीप सिंह (तहसीलदार) को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नायब तहसीलदार को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मझौली को अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी निर्देशों में कहा गया है कि सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संबंधित रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के अधीन कार्य करेंगे और आवंटित वार्डों में पुनरीक्षण प्रक्रिया पूर्ण करेंगे। सभी अधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

निक्षय मित्र बन कलेक्टर ने दिया संदेश, सामूहिक प्रयासों से टीबी मुक्त समाज की ओर बढ़ता सीधी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में एक प्रेरक पहल के तहत जिला पंचायत सीधी में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं 'निक्षय मित्र' बनकर समाज के सामने एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों को पोषण आहार (फूड बास्केट) वितरित किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारियों और समाज के अन्य वर्गों से अपील करते हुए कहा कि वे भी 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को गोद लें और उन्हें नियमित रूप से पोषण सहायता प्रदान करें जिससे उनके उपचार में तेजी लाई जा सके। अपने संबोधन में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि टीबी उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के सभी वर्ग इस अभियान से जुड़कर योगदान नहीं देंगे तब तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करना कठिन होगा। उन्होंने अधिकारियों को अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंचकर उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने भी 'निक्षय मित्र' बनते हुए अन्य अधिकारियों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इसे समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि यह पहल न केवल मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाएगी बल्कि समाज में जागरूकता भी बढ़ाएगी। कार्यक्रम में जिला टीबी अधिकारी डॉ. हिमेश पाठक ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 'निक्षय मित्र' पहल के अंतर्गत व्यक्ति संस्था या अधिकारी टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण आहार देखभाल और मानसिक सहयोग प्रदान करते हैं इससे मरीजों की रिकवरी दर में सुधार होता है।

हास्य पर बंदिश: कॉमेडियनों को धमकाना निंदनीय कृत्य

संपादकीय

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह,यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता -फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है - 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरु जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया।

यात्रा में त्रिवेणी का स्पर्श आस्था, अवसर और आधुनिकता का संगम

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

यूपी,एमपी और महाराष्ट्र के बीच किफायती रेल सेवा का विस्तार -आमजन की यात्रा में नया अध्याय जब भारत की आत्मा की बात होती है, तो वह केवल भूगोल की रेखाओं में नहीं,बल्कि उन यात्राओं में बसती है जो मन, मस्तिष्क और जीवन को जोड़ती हैं।28 अप्रैल 2026 का दिन इसी दृष्टि से एक नई शुरुआत का प्रतीक बनकर सामने आ रहा है,जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी-पुणे (हडपसर) और अयोध्या-मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। यह केवल दो नई रेल सेवाओं का शुभारंभ नहीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और आर्थिक गतिशीलता के त्रिवेणी संगम का साकार रूप है।

भारतीय रेल का यह कदम उस 'चलते-फिरते भारत' की कहानी कहता है, जिसमें हर यात्री केवल एक गंतव्य की ओर नहीं बढ़ता, बल्कि वह अपने साथ अपनी आस्था,अपनी आकांक्षाएं और अपनी जड़ों का रिश्ता भी लेकर चलता है।अमृत भारत एक्सप्रेस, अपने नाम के अनुरूप,उसी 'अमृत' को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है, जिसमें सुविधा, सुरक्षा और सस्ती यात्रा का संतुलित समावेश है।

जब यह ट्रेन वाराणसी की पवित्र धरती से प्रस्थान करेगी, तो वह केवल एक स्टेशन से नहीं, बल्कि उस सनातन चेतना से निकलती प्रतीत होगी, जो काशी विश्वनाथ मंदिर की घंटियों, गंगा घाटी की आरती और गंगा की अविरल धारा में अनवरत बहती है। काशी, जहाँ हर कदम पर इतिहास सांस लेता है और हर घाट पर जीवन का दार्शनिक अर्थ खुलता है, अब सीधे जुड़ रहा है पूणे से–एक ऐसा शहर जो आधुनिक भारत की शिक्षा, तकनीक और औद्योगिक ऊर्जा का प्रतीक है।

यह जुड़ाव केवल दूरी कम करने का साधन नहीं, बल्कि दो युगों के मिलन का प्रतीक है–एक ओर आध्यात्म की अनंत गहराई, दूसरी ओर आधुनिकता की ऊँची उड़ान। काशी से निकलकर जब यह रेल प्रयागराज, झाँसी,भोपाल,इटारसी और भुसावल जैसे शहरों से गुजरती हुई पुणे के हडपसर तक पहुंचेगी, तो वह अपने साथ उन लाखों सपनों को भी लेकर चलेगी, जो रोज़गार, शिक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में सीमाओं को पार करते हैं।

इसी प्रकार अयोध्या से प्रारंभ होने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस एक अलग ही भावभूमि को स्पर्श करती है।अयोध्या,जहाँ श्री राम मन्दिर की दिव्यता आज नए भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है, वहाँ से चलकर यह ट्रेन मुम्बई तक पहुँचती है–एक ऐसा महानगर जो सपनों को आकार देता है, परिश्रम को पहचान देता है और जीवन को गति देता है। यह यात्रा केवल 28 घंटे का समय नहीं, बल्कि उन असंख्य भावनाओं का सेतु है,जो एक प्रवासी के मन में घर और कर्मभूमि के बीच झूलती रहती हैं। सुल्तानपुर,प्रतापगढ़, प्रयागराज, जबलपुर, इटारसी, नासिक और ठाणे जैसे पड़ाव इस यात्रा को केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत मानचित्र बना देते हैं।अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषता यह है कि यह 'सामान्य जन' के लिए असाधारण सुविधा लेकर आई है।पूरी तरह नॉन-एसी होने के बावजूद इसमें आधुनिक तकनीक का समावेश है - सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम,अग्निशमन प्रणाली, और बेहतर कोच डिजाइन इसे सुरक्षित बनाते हैं।वहीं आरामदायक सीटें, मोबाइल चार्जिंग सुविधा,स्वच्छ शौचालय और दिव्यांगजन-अनुकूल व्यवस्था इसे मानवीय संवेदनाओं से जोड़ती है।यह ट्रेन बताती है कि विकास केवल तेज गति का नाम नहीं,बल्कि हर वर्ग को साथ लेकर चलने का संकल्प भी है। यह भी एक दिलचस्प यथार्थ है कि जहां वंदे भारत एक्सप्रेस ने भारत की रेल यात्रा को गति और आधुनिकता का नया आयाम दिया है, वहीं अमृत भारत एक्सप्रेस उस आधार को मजबूत कर रही है, जिस पर देश का आम नागरिक खड़ा है।यह एक ऐसी पहल है,जो 'समावेशी विकास' की परिभाषा को धरातल पर उतारती है।इन ट्रेनों का मार्ग केवल शहरों को नहीं जोड़ता, बल्कि उन संस्कृतियों को जोड़ता है,जो भारत की विविधता को एकता में बदलती हैं।

वॉशिंगटन हिल्टन: इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी ?

वॉशिंगटन के प्रतिष्ठित वॉशिंगटन हिल्टन में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल एक सुरक्षा संबंधी घटना नहीं थी, बल्कि एक ऐसा क्षण था जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र—तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। जब व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं था। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई गहरे सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है। इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी-कभी 'हिंकली हिल्टन' के नाम से भी जाना जाता है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे—सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ

घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण–यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग-थलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है।

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, 'फेक न्यूज़' जैसे शब्दों का प्रयोग, और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा–इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है। सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए–अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं। इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है–डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए, जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।

इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है–क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनावों और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है।

इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे, अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है।

अंततः, यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे; 2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा।

वॉशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है–जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। यह हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे नहीं की जा सकती, बल्कि यह नागरिकों की सोच, उनके व्यवहार और उनके मूल्यों पर भी निर्भर करती है। यदि हम इस संदेश को समझ लें, तो शायद भविष्य में इतिहास को स्वयं को दोहराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

न विना परवादेन रमते दुर्जनोजन: । काक: सर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति ।। आओ निंदा त्यागने का संकल्प लें

जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं,तो हमको अपनी गलतियों पर आत्म-चिंतन, जवाबदेही परभी विचार करना चाहिए। हम एक उंगली दूसरे पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे ऊपर उठती है इस को रेखांकित करना ज़रूरी हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख़ योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना !मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है।

साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उड़ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्णता में कमी नहीं आ सकती।

साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती। इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं ,मातृ भाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता।

साथियों बात अगर हम पर निंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दुःखों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। अर्थ-लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है परंतु गंदगी के बिना उसकी संतुष्टि नहीं होती, लोग अलग-अलग कारणों से निंदा रस का पान करते हैं। कुछ सिर्फ अपना समय काटने के लिए किसी की निंदा में लगे रहते हैं तो कुछ खुद को किसी से बेहतर साबित करने के लिए निंदा को अपना नित्य का नियम बना लेते हैं। निंदकों को संतुष्ट करना संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम निंदा पर वैश्विक विचारों की करें तो, महात्मा गांधी ने भी कहा है कि दूसरों के दोष देखने की बजाय हम उनके गुणों को ग्रहण करें। दूसरों की निंदा अश्रेयस्कारी है। निंदा करने व सुनने में व्यक्ति प्रायः आनंद लेता है। जबकि निंदा सुनना व निंदा करना, दोनों ही विषय है। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने तो कहा है सपनेहां नहिं देखा परदोषा !अर्थात् स्वप्न में भी पराये दोषों को न देखना। भगवान बुद्ध ने कहा है , जो दूसरों के अवगुणों की चर्चा करता है , वह अपने अवगुण प्रकट करता है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि किसी की निंदा करना पीठ का मांस खाने के बराबर है। विधाता प्रायः सभी गुणों को किसी एक व्यक्ति या एक स्थान पर नहीं देता है। ईसा मसीह ने कहा था ,लोग दूसरों की आंखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आंख के शहतीर को नहीं देखते। हेनरी फोर्ड ने कहा कि मैं हमेशा दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं। हमारी सद्भावना या दुर्भावना ही किसी को मित्र या शत्रु मानने के लिए बाध्य करती है।सद्भावना अनुकूल स्थिति के कारण होती है और दुर्भावना प्रतिकूल स्थिति के कारण होती है। लोगों के छिपे हुए ऐब जाहिर मत करो। इससे उसकी इज्जत तो जरूर घट जाएगी, मगर तेरा तो ऐतबार ही उठ जाएगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों के दोष ढूंढना, निंदा करना मानवीय स्वभाव की करें तो, दूसरों की निंदा करना। सदैव दूसरों में दोष ढूंढते रहना मानवीय स्वभाव का एक बड़ा अवगुण है। दूसरों में दोष निकालना और खुद को श्रेष्ठ बताना कुछ लोगों का स्वभाव होता है। इस तरह के लोग हमें कहीं भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रतिवाद में व्यर्थ समय गंवाने से बेहतर है अपने मनोबल को और भी अधिक बढ़ाकर जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहें। ऐसा करने से एक दिन आपकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी और आपके निंदकों को सिवाय निराशा के कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। इसलिए सब तरफ गुण ही ढूंढने की आदत डालो। देखो कितना आनंद आता है। दुनिया में पूर्ण कौन है हरेक में कुछ न कुछ त्रुटियां रहती हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः। काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।।आओ निंदा त्यागने का संकल्प लें हम एक उंगली दूसरों पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे तरफ उठती है इसको रेखांकित करना ज़रूरी है हम खुद का आंकलन दूसरे से सर्वश्रेष्ठ करने की चूक से बचें, स्वयं का छोटा कहलानें वाले व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ गुणवान होतें है।

एमसीबी का JOSH मॉडल बना राज्यभर में मिसाल, सभी जिलों में लागू करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अब पूरे छत्तीसगढ़ में स्वच्छता और स्वरोजगार का प्रभावी मॉडल बन गई है। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की अपेक्स समिति की बैठक में इस पहल की सराहना करते हुए मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी जिलों में इसके क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। यह एमसीबी जिले के लिए गर्व का विषय है कि स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ यह प्रयास अब राज्यव्यापी अभियान का रूप ले रहा है।

खड़गवां से हुई शुरुआत : 5 जनवरी 2026 को खड़गवां से इस अभियान का शुभारंभ प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा किया गया था। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में इसे जिले के तीनों जनपद पंचायतों में लागू किया गया।

स्वच्छता के साथ रोजगार: जिला समन्वयक राजेश जैन के अनुसार स्वच्छता प्रहरियों द्वारा अब तक लगभग 200 शौचालयों की सफाई की जा चुकी है जिससे करीब 60 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित हुई है। यह पहल युवाओं को स्थायी स्वरोजगार का अवसर प्रदान कर रही है।

सफाई के साथ मरम्मत सुविधा: JOSH मॉडल के तहत शौचालयों की सफाई के साथ-साथ मरम्मत कार्य भी किया जा रहा है। इसमें जाम यूरिनल, पाइपलाइन चैंबर और टाइल्स की तकनीकी समस्याओं का समाधान शामिल है जिससे शौचालयों की उपयोगिता बढ़ रही है।

मात्र 200 रुपये में सेवा: ग्रामीणों को केवल 200 रुपये प्रति यूनिट में सफाई और रखरखाव की सुविधा मिल रही है जिससे कम लागत में बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित हो रही है।

विभागों के समन्वय से मजबूती: इस अभियान को सफल बनाने के लिए शिक्षा, पंचायत, महिला एवं बाल विकास तथा आदिवासी विकास विभागों के साथ समन्वय किया गया है। इससे स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और अन्य संस्थानों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित हो रही है।

राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई, दो आदतन आरोपियों पर 6 माह का जिलाबदर आदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दो आदतन आरोपियों को जिलाबदर कर दिया है। जिला दण्डाधिकारी न्यायालय द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) एवं (ख) के तहत यह आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार चिरमिरी निवासी राजन सिंह चौहान एवं मनेन्द्रगढ़ निवासी शकील अहमद उर्फ मस्सा को आगामी 6 माह के लिए जिला एवं सीमावर्ती क्षेत्रों से निष्कासित किया गया है।प्रशासन के अनुसार यह आदेश 27 अप्रैल 2026 की सुबह 10 बजे से प्रभावी होकर 26 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा। इस अवधि में दोनों आरोपियों को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की सीमा से बाहर रहना होगा।

सीमावर्ती जिलों में भी प्रतिबंध : जिलाबदर अवधि के दौरान संबंधित व्यक्तियों को न केवल एमसीबी जिले बल्कि उससे लगे छत्तीसगढ़ के कोरिया, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही तथा मध्यप्रदेश के अनूपपुर, शहडोल, सीधी और सिंगरौली जिलों की सीमाओं में भी बिना विधिसम्मत अनुमति प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई : प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कानून व्यवस्था मजबूत करने की पहल : जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित करने और आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया: स्थानीय लोगों के बीच इस निर्णय को अपराध नियंत्रण के प्रति प्रशासन की गंभीरता और सख्त रुख के रूप में देखा जा रहा है।

देवाड़ांड-1 रेत खदान की ई-नीलामी सफल, इलेक्ट्रॉनिक लॉटरी से केशल राम साहू बने

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में खनिज संसाधनों के पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन की दिशा में एक अहम पहल करते हुए कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा ने देवाड़ांड-1 रेत खदान के लिए ई-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। यह प्रक्रिया छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के तहत संपन्न की गई।

74 बोलीदारों ने लिया हिस्सा : इस ई-नीलामी में कुल 74 इच्छुक बोलीदार शामिल हुए जो खदान के आर्थिक महत्व और प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। दस्तावेजों के परीक्षण के बाद 73 बोलीदार पात्र और 1 अपात्र घोषित किया गया। रिवर्स ऑक्शन के दौरान सभी पात्र बोलीदारों द्वारा समान एवं न्यूनतम बोली प्रस्तुत किए जाने से एक असाधारण स्थिति उत्पन्न हो गई। नियमों के अनुसार निष्पक्षता बनाए रखने हेतु 27 अप्रैल 2026 को पूर्णतः डिजिटल और सुरक्षित वातावरण में इलेक्ट्रॉनिक लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई। इसके परिणामस्वरूप केशल राम साहू को देवाड़ांड-1 रेत खदान का अधिमानी बोलीदार घोषित किया गया। खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार पूरी प्रक्रिया शासन के प्रावधानों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीकी सुरक्षा मानकों के तहत संपन्न कराई गई। इसका उद्देश्य सुशासन सुनिश्चित करना और राजस्व संग्रहण को मजबूत बनाना है। अधिकारियों ने बताया कि चयन के बाद आवश्यक वैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण की जाएंगी जिससे खदान का संचालन समयबद्ध तरीके से शुरू हो सके। खदान संचालन से क्षेत्र में रेत की उपलब्धता बढ़ेगी निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और अवैध उत्खनन पर नियंत्रण संभव होगा। साथ ही परिवहन, श्रम और सहायक सेवाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

खतौरा अनाज मंडी में किसानों का हंगामा : तुलाई में देरी और अव्यवस्था पर कर्मचारियों पर आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की बदरवास तहसील स्थित खतौरा अनाज मंडी में सोमवार को समर्थन मूल्य पर उपज बेचने आए किसानों ने तुलाई में देरी और अव्यवस्था को लेकर हंगामा किया। किसानों ने आरोप लगाया कि स्लॉट बुक होने के बावजूद उनका अनाज तय समय पर नहीं तोला जा रहा था, जिससे उन्हें परेशानी हो रही थी। भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और खरीदी व्यवस्था पर नाराजगी जताई। किसानों ने तुलाई में लगे कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की। उन्होंने बताया कि खरीदी शुरू होने के पहले दिन से ही इस केंद्र पर अव्यवस्था बनी हुई है। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार सतीश कुमार उपाध्याय मौके पर पहुंचे और किसानों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने पूरे मामले को समझा और किसानों से बातचीत की। उपार्जन केंद्र के कर्मचारियों ने अपनी सफाई में बताया कि खरीदी से संबंधित आईडी का पासवर्ड रविवार से लॉक हो गया था इसी वजह से तुलाई प्रक्रिया प्रभावित हुई और किसानों को इंतजार करना पड़ा। नायब तहसीलदार सतीश कुमार उपाध्याय ने पुष्टि की कि पासवर्ड लॉक होने के कारण समस्या उत्पन्न हुई थी उन्होंने बताया कि संबंधित विभाग से संपर्क कर पासवर्ड को अनलॉक करा दिया गया है।

सिंहनिवास फायरिंग : दूसरे पक्ष पर हत्या के प्रयास का केस :पूर्व जनपद अध्यक्ष के भाई जय सिंह समेत 4 आरोपीयो पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सिंहनिवास गांव में फायरिंग और मारपीट के मामले में पुलिस ने दूसरे पक्ष पर भी कार्रवाई की है पूर्व जनपद अध्यक्ष पारम रावत के भाई जय सिंह रावत समेत चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई ग्वालियर में उपचाररत प्रमोद रावत और उनकी पत्नी के बयानों के आधार पर हुई है इस घटना के बाद सिंहनिवास गांव में विवाद अब दोतरफा हो गया है। पहले जय सिंह रावत की शिकायत पर सरपंच पति प्रभात रावत उसके भाई प्रमोद और प्रगट रावत सहित अन्य आरोपियों पर केस दर्ज किया गया था अब दूसरे पक्ष की ओर से भी गंभीर आरोप सामने आए हैं ग्वालियर के जेएएच ट्रामा सेंटर में भर्ती प्रमोद रावत की पत्नी उमा रावत ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 26 अप्रैल की रात करीब 11 बजे प्रमोद रावत गांव में पुलिया के पास से घर लौट रहे थे। इसी दौरान जय सिंह रावत, अरविंद रावत, दीवान रावत, लाखन रावत और अन्य लोगों ने उन्हें रोक लिया पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू हुई। विरोध करने पर सभी ने मिलकर प्रमोद रावत पर हमला कर दिया आरोप है कि लुहांगी, लोहे की रॉड और लाठियों से बेरहमी से मारपीट की गई। जय सिंह पर लुहांगी से सिर पर हमला करने अरविंद रावत पर लोहे की रॉड से कंधे और पीठ पर वार करने जबकि दीवान और लाखन पर लाठियों से मारपीट के आरोप हैं। इस हमले में प्रमोद रावत के सिर, कंधे, पीठ, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद घायल प्रमोद को पहले शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया जहां उनका उपचार जारी है। प्रमोद रावत अभी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस ने इस मामले में जय सिंह रावत, अरविंद रावत, दीवान रावत, लाखन रावत और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थरखेड़ा में सीमांकन करने गई टीम का विरोध

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की नरवर तहसील के थरखेड़ा गांव में सीमांकन करने पहुंची प्रशासनिक टीम को आदिवासी परिवारों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के तीखे विरोध के कारण टीम को बिना कार्रवाई किए ही वापस लौटना पड़ा। मौके पर मौजूद आदिवासी परिवारों ने सरपंच अजब सिंह और नगर परिषद नरवर के अध्यक्ष पति संदीप महेश्वरी पर जमीन कब्जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं ग्रामीणों का दावा है कि वे वर्षों से इस जमीन पर काबिज हैं और अब प्रशासन की मदद से उनकी जमीन छीनी जा रही है। लाडले आदिवासी नामक ग्रामीण ने आरोप लगाया कि वह करीब 10 बीघा जमीन पर लंबे समय से खेती कर रहा है लेकिन अब उसे बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है इस घटना को लेकर गांव में आक्रोश का माहौल है। खनिज निरीक्षक सोनू वास ने बताया कि संबंधित जमीन पर वेद प्रकाश शर्मा के नाम से एम-सेंट (खनिज) की लीज स्वीकृत है। सीमांकन के

मल्हार में मिला 2000 साल पुराना 3 किलो का ताम्रपत्र : ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में उत्कीर्ण लेख , ज्ञान भारतम अभियान से हुई खोज

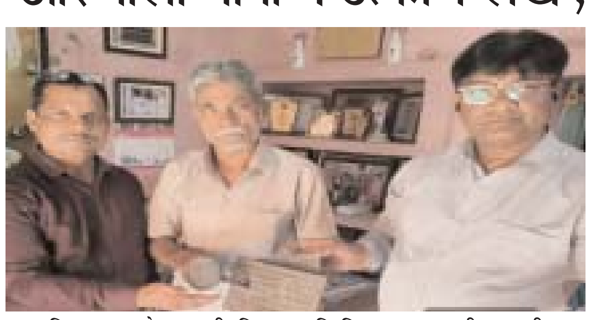

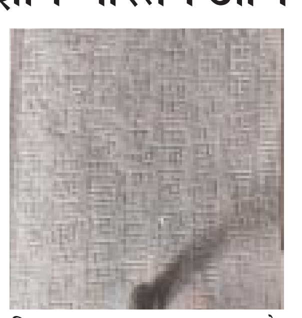

बिलासपुर के मस्तूरी स्थित मल्हार कस्बे में 2000 साल पुराना एक ताम्रपत्र मिला है। इसका वजन 3 किलोग्राम से अधिक है। यह दुर्लभ ताम्रपत्र 'ज्ञान भारतम अभियान' के तहत स्थानीय निवासी संजीव पाण्डेय के घर से प्राप्त हुआ है। इस पर पुरानी ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में लेख उत्कीर्ण हैं।

यह ताम्रपत्र ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ब्राह्मी लिपि भारत की प्राचीनतम लिपियों में से एक है, जिसका उपयोग मौर्य काल से कई शताब्दियों तक होता रहा है। पाली भाषा का संबंध मुख्यतः बौद्ध धर्म के साहित्य और शिक्षाओं से जुड़ा है जिससे इस खोज का धार्मिक महत्व भी बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्राचीन काल में ऐसे ताम्रपत्रों का उपयोग भूमि दान, राजकीय आदेश या धार्मिक घोषणाओं के आधिकारिक दस्तावेज के रूप में किया जाता था। इस ताम्रपत्र के वैज्ञानिक परीक्षण और विस्तृत अध्ययन से उस काल की सामाजिक संरचना, प्रशासनिक व्यवस्था और धार्मिक परंपराओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

संस्कृति मंत्रालय की पहल गांव गांव तक पहुंच रही: ज्ञान भारतम अभियान के तहत यह खोज न केवल मल्हार क्षेत्र की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को उजागर करती है बल्कि शोधकर्ताओं, इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है। उल्लेखनीय है कि संस्कृति मंत्रालय द्वारा ज्ञान भारतम् अभियान के तहत देश की प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में यह पहल गांव-गांव तक पहुंच रही जहां ग्राम सभाओं के माध्यम से लोगों को अपनी पुरानी पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने और उन्हें सामने लाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा और दर्शन से जुड़े अमूल्य दस्तावेजों का दस्तावेजीकरण और संरक्षण करना है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने बढ़ाई जवाबदेही लापरवाही पर चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित समय-सीमा समीक्षा बैठक इस बार केवल विभागीय प्रगति की औपचारिक समीक्षा तक सीमित नहीं रही बल्कि जिले में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति, जवाबदेही और परिणाम आधारित प्रशासनिक कार्य संस्कृति को लेकर एक निर्णायक संदेश देने वाला मंच साबित हुई। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रशासनिक अमले को स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दिया गया कि अब योजनाओं की सफलता फाइलों में नहीं बल्कि जनता के जीवन में दिखाई देनी चाहिए। कलेक्टर ने दो टूक कहा- 'सरकारी योजनाएं कागजों में पूरी दिखना पर्याप्त नहीं है उनका असर जमीन पर और अंतिम व्यक्ति तक दिखना चाहिए। जब तक लोगों को वास्तविक लाभ नहीं मिलेगा तब तक हमारी जिम्मेदारी अधूरी है। बैठक के दौरान ट्राइबल, माइनिंग, फिशरीज, पशुपालन, रेशम, शिक्षा, उद्यानिकी, श्रम, खनिज, आबकारी, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभागों की समीक्षा में कई योजनाओं के लंबित या अप्रारंभ होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। ट्राइबल मद अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लंबित कार्यों और ले-आउट प्रकरणों पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि अगली समीक्षा में प्रगति नहीं मिलने पर जवाबदेही तय होगी। सुन्दरपुर राजस्व ग्राम, नालंदा परिसर, वृद्धाश्रम, बंजी, झगराखांड सहित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक निर्माण कार्य जनता की सुविधा और विश्वास से जुड़ा है।

जोनल स्टेशन परिसर में फटा तिरंगा : रेलवे प्रबंधन ने की राष्ट्र सम्मान की अनदेखी , नियमों को दरकिनार कर फहराया फटा और गंदा राष्ट्रीय ध्वज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर बड़ी लापरवाही सामने आई है। स्टेशन के VIP गेट नंबर-2 के बाहर लगाया गया विशाल तिरंगा झंडा फटा हुआ और मैली हालत में लहराता नजर आया, जिसने पूरे मामले को विवाद में ला दिया है। देश की आन-बान और शान माने जाने वाले तिरंगे की यह स्थिति राष्ट्र का अपमान है। स्टेशन परिसर में लगा यह तिरंगा आमतौर पर गौरव और सम्मान का प्रतीक माना जाता है, लेकिन मौजूदा स्थिति में यह बदहाल दिख रहा है झंडे का कपड़ा फटा हुआ है और उस पर गंदगी भी साफ नजर आ रही है ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के बावजूद रेलवे प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी। रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) मुख्यालय के प्रमुख स्टेशन पर हो रही इस तरह की अनदेखी ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर जहां रेलवे अमृत स्टेशन योजना जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए आधुनिक सुविधाओं के दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय प्रतीकों की ऐसी उपेक्षा बेहद चिंताजनक है। भारतीय ध्वज संहिता के अनुसार तिरंगे को हमेशा सम्मानजनक और साफ-सुथरी स्थिति में रखा जाना अनिवार्य है। फटा, गंदा या क्षतिग्रस्त झंडा सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना नियमों के खिलाफ माना जाता है। भारतीय झंडा संहिता के मुताबिक कटे-फटे या फिर खराब हुए तिरंगे को दफना देना चाहिए उसे ऐसे ही नहीं फेंकना चाहिए। अगर कहीं दफनाने की जगह नहीं तो फिर ऐसे में तिरंगे को एकांत में जलाकर नष्ट करना चाहिए। रेलवे स्टेशन परिसर में लगाए गए राष्ट्रीय ध्वज का फटे हुए हालत में लहराते हुए स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है।

शंकराचार्य जयंती पर रायपुर में भव्य समारोह, गोस्वामी समाज ने संतों के सान्निध्य में किया प्रतिभाओं का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सनातन गोस्वामी समाज द्वारा आद्य जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित शहीद स्मारक भवन में एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हर्षोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ जिसमें संतों के आतिथ्य के साथ समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में दंडी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती (शंकराचार्य आश्रम सलधा, जिला बेमेतरा), विवेक गिरी जी महाराज (थानापति गौर कापा आश्रम, जिला मुंगेली), डॉ. महंत रामसुंदर दास (दूधाधारी मठ, रायपुर) तथा सच्चिदानंद गिरी जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय गोस्वामी महासभा, दिल्ली) मंच पर विराजमान रहे उनकी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।समारोह का शुभारंभ आदि शंकराचार्य की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन, पुष्पांजलि, मंत्रोच्चारण एवं आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात समाज के युवाओं द्वारा बैनर-पोस्टर के साथ एक भव्य बाइक रैली निकाली गई, जो शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों से होकर पुनः कार्यक्रम स्थल पर आकर संपन्न हुई। इस शोभायात्रा ने पूरे शहर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्साह का वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम में समाज के प्रांतीय अध्यक्ष मोहनपुरी गोस्वामी, राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र पुरी, संरक्षक चित्रसेन गिरी एवं लिल्लार पुरी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और संतगण उपस्थित रहे इसके साथ ही विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में मातृ शक्ति की सहभागिता ने आयोजन को व्यापक स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर गोस्वामी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, कला एवं साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया साथ ही शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए समाज के सदस्यों का अभिनंदन भी किया गया।

पति-पत्नी घर में फंदे पर लटके मिलेःगांव में अकेले रह रहे बेटा सागर में रहता है, बीड़ी बनाने का काम करते थे

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के शाहगढ़ में पति-पत्नी ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिवार के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, शाहगढ़ के वार्ड क्रमांक-10 में उत्तम अहिरवार उम्र 45 वर्ष अपनी पत्नी हरिबाई अहिरवार उम्र 42 वर्ष के साथ रहते थे। उनका बेटा सागर में रहता है। सोमवार को अज्ञात कारणों के चलते पति-पत्नी ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया?। परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो घटना सामने आई। सूचना पर पुलिस पहुंची और शवों का पंचनामा बनाया?। फंदे से शव उतारे गए। पुलिस ने बेटे को घटना की सूचना दी। वह सागर से शाहगढ़ पहुंचा। बेटे के आने के बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा।

रविवार को पड़ोसियों के साथ बैठकर की थी बातचीतः बताया गया है कि रविवार की देर रात तक पति-पत्नी दोनों दरवाजे पर मोहल्ले वालों के साथ बैठे रहे। दोनों ने नार्मल बातचीत की, लेकिन सोमवार को दोनों ने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। भतीजे ने पुलिस को मामले की सूचना दी।

आत्महत्या के कारणों की जांच कर रहेः शाहगढ़ थाना प्रभारी संदीप खरे ने बताया कि पति-पत्नी ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड की है। शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया है। मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच कर रहे हैं। मृतकों के पास से कोई सुसाइड नहीं मिला है। दोनों घर में अकेले रहते थे। बेटा सागर में रहता है। पति-पत्नी बीड़ी बनाने का काम करते थे।

सीहोर के शेखपुरा में आग, किसान को भारी नुकसानः2 ट्रैक्टर जनरेटर सहित 25 लाख का कृषि सामान खाक

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सीहोर, एजेंसी। सीहोर के ग्राम शेखपुरा में सोमवार को एक किसान के खेत में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग की इस घटना में किसान मांगीलाल को करीब 25 लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया, जिससे खेत में रखा कीमती सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, अज्ञात कारणों से लगी आग ने तेजी से फैलकर खेत में खड़े दो ट्रैक्टर और एक जनरेटर को अपनी चपेट में ले लिया, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। आग में करीब 25 लाख रुपए के कृषि उपकरण, अन्य सामग्री, मवेशियों का भूसा और लकड़ियां भी जलकर राख हो गई। नुकसान की दो तस्वीरें देखिए...

फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों ने पाया काबूः सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। अकरम खान और स्वदेश गोयत ने ग्रामीणों के साथ मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। समय रहते आग पर काबू पाने से इसे आसपास के घरों और बस्ती तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गर्मी के मौसम में जिले में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में रामखेड़ी, नींबूखेड़ा, पलटन क्षेत्र और जावर के जंगलों में भी आग से फसल, वाहन और पेड़ों को भारी नुकसान हुआ है।

खरगोन के निमरानी में उर्वरक फैक्ट्री के पास भीषण आग तेज हवा से आग ने लिया विकराल रूप

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर निमरानी स्थित एक निजी कोरोमंडल उर्वरक फैक्ट्री के जंगली क्षेत्र में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई। तेज हवा के कारण आग ने तेजी से फैलते हुए आसपास के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के अनुसार 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवा के कारण आग फैक्ट्री की बाउंड्रीवॉल से बाहर निकलकर पास के खेतों तक पहुंच गई। आग की चपेट में आने से आसपास के खेतों में गेहूं की थ्रेसिंग के बाद रखा लगभग 250 क्विंटल भूसा पूरी तरह जलकर राख हो गया, जिससे किसानों को नुकसान हुआ।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच जारीः फिलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। शुरुआती आशंका है कि बिजली के तारों में टकराव से निकली चिंगारी के कारण आग लगी हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलने पर कसरावद नगर परिषद की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और करीब 10 हजार लीटर पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। इस आगजनी की घटना में लगभग 2 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। फिलहाल प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

रतलाम में उधारी के रुपए चुकाने बाइक चोरी की खुद की बाइक गिरवी रखी, रतलाम का निकला चोर; 24 घंटे में पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम पुलिस ने एक बाइक चोर को पकड़ा है। चोर ने उधारी के रुपए चुकाने के लिए बाइक चोरी की। जबकि चोर के परिवार के सदस्य सक्षम है। चोरी की घटना के 24 घंटे के अंदर पुलिस ने बाइक चोर को गिरफ्तार कर लिया। बाइक को भी बरामद कर लिया है। माणकचौक थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर राकेश मेहरा ने बताया अजय मेहता पिता शांतीलाल मेहता निवासी श्रीमाली वास रतलाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि 25 अप्रैल की मध्य रात्रि अपने घर के सामने स्थित गैरेज से अज्ञात व्यक्ति उसकी लाल रंग की होंडा साइन बाइक क्रमांक स्न्न09 ह्रक्र 9147 चोरी कर ले गया। फरियादी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

घटना स्थल के देखे सीसीटीवीः पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जांचे। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश की। प्राप्त सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी को धराड़ क्षेत्र से राउंडअप कर पूछताछ की, जिसमें उसने बाइक चोरी करना स्वीकार किया।

रतलाम का रहने वाला निकला चोरः पुलिस ने बाइक चोर आरोपी गुंजन प्रजापत (25) पिता विजय प्रजापत निवासी गांधीनगर रतलाम को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर चोरी गई बाइक को मथुरी रोड रतलाम क्षेत्र से बरामद कर जप्त की।

खुद की बाइक गिरवी रखी थीः आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसकी खुद की बाइक एक जगह करीब 8 हजार रुपए में गिरवी रखी थी। बाइक छुड़ाने के लिए रुपए नहीं होने पर आरोपी ने बाइक चोरी की। आरोपी को बाइक चलाने का भी शौक है। इसी कारण उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यह भी जानकारी सामने आई कि आरोपी के परिवार के सदस्य सक्षम है। पुलिस आरोपी से अन्य संभावित वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

रतलाम में कार की टक्कर से वकील की मौतःदिल्ली पासिंग कार पर लिखा था भारत सरकार

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। शहर के दो बत्ती स्थित सज्जनसिंह स्टेच्यू चौराहे के पास सोमवार शाम कार की टक्कर से एक्टिवा सवार 63 वर्षीय वकील घायल हो गए। इलाज के दौरान रात में वकील की मौत हो गई। कार को जप्ती में नहीं लेने व कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए वकील आक्रोशित हो गए। रात 10.15 बजे स्टेशन रोड थाने पहुंच आक्रोश जताया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। सोमवार शाम करीब 6.30 बजे वकील वकील हनुमान प्रसाद अग्रवाल (63) निवासी मित्र निवास रोड स्टेशन रोड की तरफ से होकर दो बत्ती चौराहे क्रॉस कर स्टेशन रोड थाने की तरफ जा रहे थे। पीछे से एक काले रंग की दिल्ली पासिंग कार क्रमांक छ्रु4ष्ट-श्च 9774 ने टक्कर मार दी। टक्कर से वकील एक्टिवा समेत नीचे गिर गए। इसके बावजूद कार चालक ने कार नहीं रोकी। एक्टिवा चालक वकील को कुछ दूरी तक घसीटते हुए सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल वाली रोड की तरफ कार लेकर फरार हो गया। घटना के बाद चौराहे पर भीड़ लग गई। पूरा घटनाक्रम सीएसपी ऑफिस के सामने हुआ। तुरंत मौके पर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया पहुंचे। एंबुलेंस मंगवाकर घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। रात करीब 10 बजे वकील की इलाज के दौरान मौत हो गई। शव को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। मंगलवार सुबह पीएम होगा।

पन्ना में दीवार गिरी, एक महिला की मौत बारिश से बचने रुकी थी, 3 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के शाहनगर क्षेत्र के कचौरी गांव में सोमवार और मंगलवार (27 अप्रैल) की दरमियानी रात एक दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई। इस घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तेज आंधी-तूफान के कारण हुआ। प्रत्यक्षदर्शी निर्भय सिंह ने बताया कि अचानक मौसम बदलने से तेज आंधी और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान माया सिंह (40), जो पास की एक पेपर कार्टन फैक्ट्री से काम कर घर लौट रही थीं, बारिश से बचने के लिए निर्भय सिंह के घर के पास रुकीं। उनके साथ एक शादी समारोह से लौट रहे कुछ अन्य ग्रामीण भी बारिश से बचने के लिए वहीं खड़े थे, तभी हवा के तेज झोंके से पक्की ईंटों की दीवार ढह गई।

पहाड़ी इलाका होने से भट्टी की तरह तप रहा रायसेन, सीजन में पहली बार पारा 44 डिग्री

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में अप्रैल के अंतिम सप्ताह में भीषण गर्मी का दौर जारी है। रविवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सोमवार को यह बढ़कर 44 डिग्री पर पहुंच गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। तेज धूप और गर्म हवाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की चेतावनी दी है। सोमवार को सुबह से ही गर्मी तेज रही। दोपहर तक हालात और खराब हो गए। सड़कों पर आवाजाही कम दिखी। बाजारों में भी भीड़ घट गई। लोग जरूरी कामों के अलावा घरों में ही रहे। रविवार शाम को बेगमगंज और बम्होरी क्षेत्र में हुई तेज बारिश से कुछ समय के लिए राहत मिली। बाद में उमस बढ़ने से परेशानी फिर बढ़ गई। अस्पतालों में बढ़ने लगे मरीज जिला अस्पताल के मेडिकल अधिकारी डॉ. एमएल अहिरवार के मुताबिक इन दिनों अस्पतालों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ओपीडी 700-800 के पार पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि गर्मी के कारण उल्टी-दस्त, चक्कर आना, कमजोरी, तेज सिरदर्द, घबराहट के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। गर्म मौसम में शरीर का तापमान संतुलित रखना बेहद जरूरी है। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त पानी पिएं। ओआरएस, नारियल पानी या छाछ का सेवन करें। हल्का, सुपाच्य भोजन लें। तैलीय-मसालेदार चीजों से परहेज करें। बाहर जाते समय सिर ढकें। ढीले सूती कपड़े पहनें। 2022 में अप्रैल था सबसे गर्म मौसम विभाग के अनुसारआने वाले दिनों में जिले में गर्म हवाएं यानी लू चलने की संभावना है। गत वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि 2022 का अप्रैल सबसे ज्यादा गर्म रहा था। 28 अप्रैल 2022 को तापमान 43.0 डिग्री और 27 अप्रैल को 42.6 डिग्री दर्ज किया गया था। 27 अप्रैल 2025 को अधिकतम 44 व न्यूनतम 24 डिग्री, 2024 में 35.2 व 23.4, 2023 में 34.2 व 21.6 और 2022 में 42.6 व 23.0 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। 27 अप्रैल 2026 को दिन का पारा 43.6 डिग्री पर पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान है।

छतरपुर में अचरवा तोड़ने गए बुजुर्ग पर भालू का हमला घंटों जंगल में बेहोश पड़े रहे, हालत नाजुक

बोले- अस्पताल पहुंचने एम्बुलेंस तक नहीं मिली

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र के मालवाड़ा गांव के जंगल में अचरवा (जंगली फल) तोड़ने गए 65 वर्षीय जीवन आदिवासी पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और घंटों तक जंगल में बेहोश पड़े रहे। जानकारी के मुताबिक, जीवन आदिवासी सोमवार सुबह करीब 10 बजे रोज की तरह जंगल में अचरवा तोड़ने गए थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उन्होंने शोर मचाकर खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन भालू के हमले से बुरी तरह घायल हो गए और बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। सुबह से देर शाम शाम तक जब वे घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिजन ग्रामीणों के साथ जंगल में उनकी तलाश में निकले। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद वे चिन्हित स्थान पर बेहोशी की हालत में पड़े मिले। उनके शरीर पर भालू के हमले के गहरे जख्म थे। ग्रामीण उन्हें जंगल से उठाकर घर ले आए और वन विभाग को सूचना दी।

समय पर नहीं मिल सकी एम्बुलेंसः सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। पहले उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। हालांकि समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी, जिसके चलते परिजनों को मजबूरी में प्राइवेट वाहन से ही उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाना पड़ा।

इलाज जारी हालात नाजुकः परिजन बलराम गौड़ का कहना है कि फिलहाल जीवन आदिवासी का जिला अस्पताल में इलाज जारी है और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद पूरे गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

सीहोर-श्यामपुर मार्ग पर डामर पिघला जिले में तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

अस्पतालों में बनी हीट स्ट्रोक यूनिट

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में भीषण गर्मी और राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मंगलवार को तेज गर्मी के चलते सीहोर-श्यामपुर मार्ग पर सड़क का डामर पिघलना शुरू हो गया है। अप्रैल महीने में पिछले दो दिनों से पारा 44 डिग्री के पार बना हुआ है, जिसने गर्मी के कई पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लू और हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए जिले के सभी अस्पतालों में 'हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट' और ओआरएस (ORS) कॉर्नर स्थापित कर दिए हैं।

मई 2024 के बाद अप्रैल में टूटा गर्मी का रिकॉर्डः जिले में इस साल अप्रैल माह में ही गर्मी ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इससे पहले 23 मई 2024 को सीहोर शहर का अधिकतम तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, लेकिन अप्रैल के महीने में ऐसी भीषण गर्मी पहले कभी रिकॉर्ड नहीं की गई। तेज धूप के कारण दोपहर के समय शहर की अधिकांश सड़कें सुनसान नजर आ रही हैं। लोग केवल बहुत जरूरी काम होने पर ही खुद को कपड़े से ढककर घरों से बाहर निकल रहे हैं।

CMHO ने दिए सतत निगरानी और उपचार के निर्देशः बढ़ते तापमान के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने अलर्ट जारी किया है। उन्होंने जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को सतत निगरानी और उपचार के निर्देश दिए हैं। मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके, इसके लिए अस्पतालों में पदस्थ स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण (Orientation) भी किया जा रहा है। अस्पतालों में ठंडे पानी, पंखे और ओआरएस कॉर्नर की व्यवस्था स्वास्थ्य संस्थाओं को आने वाले मरीजों में लू के लक्षणों की तुरंत जांच करने और उचित प्रबंधन के निर्देश दिए गए हैं। वार्डों में मरीजों के लिए ठंडे पेयजल और पंखों की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, तेज धूप में ज्यादा देर तक रहना लू लगने का प्रमुख कारण है।

सांसी गिरोह की महिला ने थार से चुराए 5.50 लाखःपहनावा पैर के कड़े, रूट और वारदात के तरीके से महिला तक पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के सोहागपुर में थार गाड़ी से 5.50 लाख रुपए से भरा थैला चुराने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला राजगढ़ जिले के कड़िया सांसी गांव की रहने वाली है और सांसी गिरोह से जुड़ी बताई जा रही है। घटना के चौथे दिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सोमवार को एसडीओपी संजू चौहान ने मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला सुधा उर्फ सुगना, पति अजब सिंह उर्फ हरवीर, निवासी कड़िया सांसी है। वारदात के बाद महिला लिफ्ट लेकर माखननगर पहुंची, जहां से वह बस के जरिए नर्मदापुरम, भोपाल होते हुए अपने गांव कड़िया सांसी चली गई थी। बैंक से मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने महिला के पहनावे, पैर में पहने कड़े और चोरी के तरीके से उसकी पहचान की। इसके बाद टीम राजगढ़ के कड़िया सांसी गांव पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी महिला के पास से 5.50 लाख रुपए नगद बरामद किए हैं। बैंक से रखी नजर, गाड़ी से थैला निकालकर फरार हुई महिला पुलिस के मुताबिक 23 अप्रैल को अनाज व्यापारी पराग शर्मा के अकाउंटेंट तिलक मालवीय, परिचित सिद्धार्थ चौधरी और सौरभ चौधरी (सर्वेयर) के साथ बैंक कार्य के लिए थार गाड़ी से सोहागपुर पहुंचे थे। सिद्धार्थ और सौरभ चौधरी के नाम रजिस्ट्री प्रस्तावित थी, जिसके चलते सभी बैंक गए थे। तिलक मालवीय ने भारतीय स्टेट बैंक से 5.50 लाख रुपए निकालकर केनरा बैंक की ओर गए। केनरा बैंक के सामने गाड़ी खड़ी कर सभी लोग बैंक के अंदर चले गए। इसी दौरान आरोपी महिला बैंक में मौजूद थी और वह लगातार उनकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। जैसे ही तिलक मालवीय बैंक से बाहर आए और रुपए से भरा थैला गाड़ी में रखकर अंदर चले गए, महिला ने मौका पाकर चुपचाप गाड़ी से वह थैला निकाल लिया और वहां से फरार हो गई।

पहनावे और तरीके के आधार पर महिला को पकड़ाः सोहागपुर थाना प्रभारी राहुल रायकवार ने बताया कि आरोपी महिला को पकड़ने में तीन महत्वपूर्ण सुराग मिले-उसका पहनावा, चोरी का तरीका और भागने का रूट। उन्होंने कहा कि वे पहले राजगढ़ जिले में पदस्थ रह चुके हैं, जहां कड़िया सांसी गांव के कुछ लोग इसी तरह की वारदातों में लिप्त रहते हैं और बैग चोरी कर फरार हो जाते हैं।

देवास में बीच जंगल चलती कार में लगी आगःपूरा वाहन जलकर खाक

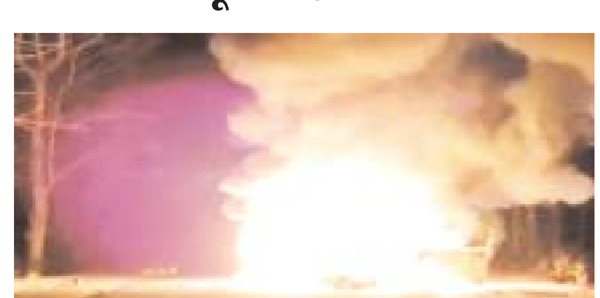

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास जिले के कन्नौद क्षेत्र में सोमवार रात एक चलती कार में अचानक आग लग गई। यह घटना रात करीब 10 से 11 बजे के बीच हुई, जिसमें कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना जंगल के क्षेत्र में हुई इसलिए आग पर जल्दी काबू नहीं पाया जा सका जिससे पूरा वाहन जल गया। जानकारी के अनुसार, कार कुसमानिया से विक्रमपुर की ओर जा रही थी। कुसमानिया जंगल क्षेत्र से गुजरते समय अचानक उसमें आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। कार सवार युवकों ने जैसे-तैसे निकलकर जान बचाई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। कन्नौद थाना प्रभारी तहजीब काजी ने बताया कि पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची थी। फिलहाल इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

केकेआर बनाम एलएसजी अंगकृष रघुवंशी पर लगा मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना

मुंबई ,एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में रघुवंशी को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। केकेआर की पारी के दौरान पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर अंगकृष रघुवंशी को ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के कारण आउट दे दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने मैदान पर ही अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अंगकृष ने पवेलियन लौटते हुए गुस्से में जोर से जमीन पर बल्ला मारा था और अपना हेलमेट बाउंड्री लाइन के पास फेंक दिया था। केकेआर का खेमा भी अंपायर के फैसले से काफी नाखुश दिखाई दिया था। टीम के हेड कोच अभिषेक नायर को भी गुस्से में अंपायर्स संग बातचीत करते हुए देखा गया था। दरअसल, प्रिंस यादव की गेंद पर अंगकृष मिड-ऑन की तरफ शॉट खेलकर रन लेने के लिए दौड़े थे, लेकिन दूसरे छोर पर खड़े कैमरून ग्रीन ने उन्हें वापस भेज दिया था। अपना

विकेट बचाने के लिए अंगकृष ने डाइव लगाई थी, लेकिन तभी फील्डर ने भी गेंद को स्टंप की तरफ थ्रो किया था। थ्रो सीधा अंगकृष के पैर में आकर लगा था, जिसके बाद एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत और बाकी खिलाड़ियों ने अपील की थी। मैदानी अंपायर्स ने थर्ड अंपायर की मदद ली थी, जिसके बाद अंगकृष को ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड(फील्डिंग में बाधा पहुंचाने) का दोषी मानते हुए उन्हें आउट करार दे दिया था।

आईपीएल ने बयान जारी करते हुए कहा, कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल एक को तोड़ने की वजह से उन्हें एक डिमेरिट प्वाइंट भी मिला है। रघुवंशी को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो मैच के दौरान किकेट उपकरण या कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। यह घटना 5वें ओवर में हुई, जब 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' के लिए आउट दिए जाने के बाद रघुवंशी ने गुस्से में अपने बल्ले से बाउंड्री कुशन पर मारा और बाद में उसी तरह अपना हेलमेट डगआउट में फेंक दिया। रघुवंशी ने अपनी गलती मानते हुए मैच रेफरी की सजा को मान लिया है।

अंगकृष रघुवंशी आईपीएल में ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के कारण आउट दिए जाने वाले चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले अमित मिश्रा, रवींद्र जडेजा और युसूफ पठान को भी इस नियम के तहत आउट दिया जा चुका है। अंगकृष इस मुकाबले में 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, सुपर ओवर में पहुंचे मैच में केकेआर एलएसजी के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रही।

एशियन गेम्स को ओलंपिक से एक साल पहले कराने की तैयारी, 2031 से लागू हो सकता है नया फॉर्मेट

सान्या (चीन),एजेंसी। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) एशियन गेम्स को समर ओलंपिक 2032 से ठीक एक साल पहले रीशेड्यूल करने का प्लान बना रहा है। इसका मकसद इस महाद्वीपीय इवेंट को दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स शोकेस के साथ बेहतर तरीके से सरेखित करना है। ओसीए के वाइस प्रेसिडेंट सॉन्ग लुजेंग ने सोमवार को सिन्हुआ को बताया कि यह समायोजन दोहा एशियन गेम्स से लागू होने की उम्मीद है, जिसे 2030 से 2031 में शिफ्ट किया जाएगा। इस प्रस्ताव को ओसीए कार्यकारिणी बोर्ड ने पहले ही मंजूरी दे दी है और अब इस पर इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के साथ आगे बातचीत चल रही है। सोंग ने कहा, इससे एशियन गेम्स ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग इवेंट के तौर पर काम कर सकेंगे, जिससे ज्यादा एलीट एथलीट को प्रतियोगिता के कीमती मौके मिलेंगे और गेम्स का ओवरऑल स्टैंडर्ड बढ़ेगा। सोंग ने बताया कि ओलंपिक क्वालिफिकेशन को अभी इंटरनेशनल फेडरेशन मैनेज करते हैं और ओसीए नए प्लान पर उनमें से कुछ के साथ बातचीत के आखिरी स्टेज में है। अगर यह आइडिया मंजूर हो जाता है, तो यह बदलाव

दोहा 2030 एशियन गेम्स से शुरू होगा, जिसे 2031 तक टाल दिया जाएगा। इसका असर रियाद 2034 एशियन गेम्स पर पड़ेगा, जो बाद में 2035 में होंगे। इसके उलट, पहले से तय आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स अपने मूल स्लॉट 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक ही रहेंगे। खास बात यह है कि भारत 1982 के बाद पहली बार एशियन गेम्स की मेजबानी करना चाहता है। भारत ने एशियन गेम्स 2038 की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाई है, और चीन के सान्या में ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) की कार्यकारिणी बोर्ड मीटिंग में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। हालांकि, नई दिल्ली ने 1951 में एशियन गेम्स का पहले संस्करण की मेजबानी की थी। वहीं, आखिरी बार भारत ने इस इवेंट की मेजबानी साल 1982 में की थी। यही वजह है कि भारत 2038 में होने वाले एशियन गेम्स की मेजबानी हासिल करने के लिए पूरा जोर लगाना चाहेगा।

दुनिया के श्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ 9000 रन बनाना आसान नहीं, मिशेल मैक्लेनाघन ने विराट कोहली की प्रशंसा की

नई दिल्ली ,एजेंसी। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के दौरान सोमवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए लीग में अपने 9,000 रन पूरे किए। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनाघन ने कोहली को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है और उनकी निरंतरता की प्रशंसा की है। मिशेल मैक्लेनाघन ने जियोस्टार से कहा, विराट कोहली लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ 9000 आईपीएल रन बनाना कोई आसान काम नहीं है। यह भूख, अनुशासन और हर साल खुद को ढालने की बात है, और यही चीज उनसे उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाती है। वह 2008 से आईपीएल में हैं, और सबसे अच्छी बात यह है कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक ओपनर के तौर पर नहीं की थी। उन्होंने कहा, कोहली ने निचले मध्य कम में बल्लेबाजी की, अपनी जगह के लिए संघर्ष किया, फिर तीसरे नंबर पर आए। बाद में, उन्होंने किस गेल के साथ ओपनिंग की। इससे उनका खेल पूरी तरह से बदल गया। वह जल्द ही 10,000 रन के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे, इसमें कोई शक नहीं है। कोहली आईपीएल के अब तक के सबसे महान बल्लेबाज हैं - सिर्फ रनों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि उन्होंने अलग-अलग दौर में खुद को कैसे बदला है और अपना दबदबा बनाए रखा है।

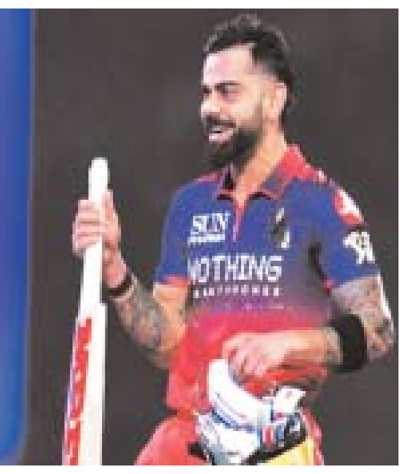

थॉमस और उबर कप 2026: भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

हॉर्सेंस ,एजेंसी। पूर्व चैंपियन भारत ने सोमवार को यहां थॉमस और उबर कप 2026 के पुरुषों के ग्रुप ए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत ने इस मुकाबले के लिए अपनी टीम में सिर्फ एक बदलाव किया। कनाडा के खिलाफ खेलने उतरी टीम में से किदांबी श्रीकांत की जगह पर एचएस प्रणय को मैच खेलने का मौका मिला। भारतीय टीम की शुरुआत शानादर रही। लक्ष्य सेन ने पहले मैच में बेहतरीन खेल दिखाते हुए एप्रैम स्टीफन सैम को 21-14, 21-16 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने मुकाबले में 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद एशियन चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी भी शानदार लय में दिखाई दिए और उन्होंने सिर्फ 26 मिनट में श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया। पूर्व एशियन चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अपनी शानदार फॉर्म को इस मुकाबले में भी जारी रखा।सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी ने रिज्की हिदायत और जैक यू

को 21-14, 21-16 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी। प्रणय ने भी जीत की इस लय को बरकरार रखा और ऋषि होंडा बूपथी को एकतरफा मुकाबले में 21-11, 21-17 से हराकर भारत की बढ़त को 4-0 कर दिया। इसके बाद अंतिम मैच में हरिहरन अम्साकारुनन और एमआर अर्जुन की मेन्स डबल्स जोड़ी ने भी बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने अंदिका रामादियांस्याह और सैम को 21-12, 21-10 से हराकर भारत को 5-0 से जीत दिलाई। भारत ने ग्रुप के अपने पहले मुकाबले में कनाडा को 4-1 से हराया था। भारतीय टीम की अगली भिड़ंत अब चीन के साथ 29 अप्रैल को होगी। चीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की थी, जबकि कनाडा को 4-1 से हराया था। भारत और चीन के बीच ग्रुप में पहले स्थान पर रहने की जंग होगी। भारत ने 2022 में थॉमस कप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया को हराकर अपना पहला खिताब हासिल किया था।

उन 4 छक्कों ने मैच का रुख पलट दिया

इरफान पठान ने रिंकू सिंह की बल्लेबाजी को सराहा

नई दिल्ली ,एजेंसी। आईपीएल 2026 के 38वें मुकाबले में रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को सुपर ओवर में हराया। केकेआर की इस जीत के नायक रिंकू सिंह रहे। रिंकू ने 51 गेंदों में नाबाद 83 रनों की दमदार पारी खेली। भारत के पूर्व किकेटर इरफान पठान ने रिंकू सिंह की बल्लेबाजी की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि केकेआर की पारी के आखिरी ओवर में रिंकू के बल्ले से निकले उन 4 छक्कों ने मैच का पूरा रुख पलट दिया। जियोहॉस्टार पर बात करते हुए पठान ने कहा, उस आखिरी ओवर में रिंकू सिंह की जागरूकता जबरदस्त थी। उन्होंने गेंदबाज के प्लान का अंदाजा लगाया, अपनी पोजीशन एडजस्ट की, और विकेट के दोनों तरफ रन बटोरे। रिंकू के उन चार छक्कों ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। उन 26 रनों के बिना केकेआर यह मैच नहीं जीत पाता। पठान के अनुसार, रिंकू ने जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा, जो बात और भी खास थी, वह थी कि उन्होंने जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी की। एक पल ऐसा भी आया जब उन्होंने स्ट्राइक रखने का फैसला किया। इसके साथ ही, ओवर को खत्म करने के लिए खुद पर भरोसा भी दिखाया। रिंकू ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया। हालात को समझने और सबसे अहम समय पर मैच को कंट्रोल करने की उनकी काबिलियत ही रिंकू को खास बनाती है। रिंकू जब बल्लेबाजी करने उतरे, तो केकेआर 31 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने टीम की पारी को संभाला और एक छोर पर अंत तक खड़े रहे। रिंकू ने पारी के आखिरी ओवर में एलएसजी के गेंदबाज दिग्वेश राठी के खिलाफ लगातार चार छक्के लगाए, जिसकी बदौलत केकेआर 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाने में सफल रही। हालांकि, एलएसजी ने भी 20 ओवर में 8 विकेट गंवाने के बाद 155 रन बनाए और मुकाबला टाई रहा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट: पूर्व तेज गेंदबाज जेफ अलॉट नए सीईओ बने

ऑकलैंड ,एजेंसी। न्यूजीलैंड किकेट ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज जेफ अलॉट को अपना नया सीईओ बनाया है। उनका कार्यकाल 1 जुलाई से शुरू होगा। न्यूजीलैंड किकेट द्वारा जारी एक बयान में जेफ अलॉट ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर न्यूजीलैंड किकेट का प्रतिनिधित्व करने, महाप्रबंधक के तौर पर काम करने और आठ साल से ज्यादा समय तक बोर्ड निदेशक के तौर पर योगदान देने के बाद, इस संगठन और हमारे खेल से मेरा गहरा जुड़ाव है। मैं बोर्ड खिलाड़ियों, स्टाफ, सदस्य संघों और हमारे व्यावसायिक साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि मजबूत रिश्ते बनाए जा सकें। एक सकारात्मक और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके, और मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह बेहतरीन नतीजे दिए जा सकें। न्यूजीलैंड किकेट की प्रमुख डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस नियुक्ति की तारीफ करते हुए अलॉट

के कौशल और अनुभव के अनोखे मेल को विशेष रूप से रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड के पूर्व प्रतिनिधि के तौर पर किकेट की गहरी विशेषज्ञता, न्यूजीलैंड किकेट में किकेट के पूर्व जनरल मैनेजर और बोर्ड सदस्य के तौर पर अमूल्य अनुभव और मजबूत व्यावसायिक नेतृत्व के अनुभव के रूप में अलॉट इस भूमिका के लिए गुणों का एक ऐसा दुर्लभ और बेहद प्रासंगिक मेल लेकर आए हैं, जो शायद ही कहीं और देखने को मिलता है।

लिंडन ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि उनका खेल का अनुभव, संस्थागत जानकारी, व्यावसायिक सूझ-बूझ और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण न्यूजीलैंड किकेट के विकास और विस्तार के अगले चरण में नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति बनाते हैं। जेफ अलॉट किकेट प्रशासन में लगभग 20 साल के अनुभव के साथ यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनके पास व्यापार का भी व्यापक अनुभव है और भारत तथा पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में उनके मजबूत संबंध हैं।

किकेट प्रशासन से अलॉट का जुड़ाव बहुत गहरा है। वह 2002 में न्यूजीलैंड किकेट खिलाड़ी संघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। बाद में, उन्होंने 2011 से 2013 तक कैंटरबरी किकेट बोर्ड में काम किया और 2013 में न्यूजीलैंड किकेट बोर्ड में शामिल हुए। निदेशक के तौर पर अपने आठ साल के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अहम योगदान दिया। 2021 में बोर्ड में बदलाव के तहत उन्होंने अपना पद छोड़ दिया। किकेट में उनके योगदान को देखते हुए 2022 में उन्हें न्यूजीलैंड किकेट की आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया।

वह न्यूजीलैंड किकेट के छठे सीईओ बने हैं। उन्होंने स्कॉट वीनिंक की जगह ली है, जिन्होंने दिसंबर में अपना पद छोड़ दिया था। इस पद पर पहले किस डोइग, मार्टिन स्नेडेन, जस्टिन वॉन और डेविड व्हाइट जैसे लोग रह चुके हैं। खास बात यह है कि अलॉट के पास न्यूजीलैंड किकेट में पहले भी कार्यकारी अनुभव रहा है। उन्होंने 2008 से 2010 तक महाप्रबंधक के तौर पर काम किया था।

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर साई ने किया पीटी पॉलोस को सस्पेंड

नई दिल्ली ,एजेंसी। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने एशियन गेम्स पदक विजेता रोवर (नाविक) पीटी पॉलोस को सस्पेंड कर दिया है। पीटी पॉलोस एलेप्पी में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर थे। सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि एक महिला रोइंग कोच ने उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, 49 साल के पॉलोस को इस साल जनवरी में एक महिला असिस्टेंट रोइंग कोच की शिकायत के बाद सस्पेंड किया गया है। शिकायत मिलने पर साई ने उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की, जो अभी चल रही है। महिला कोच ने पिछले साल के आखिर में पॉलोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपों के मुताबिक, उन्होंने 2025 की शुरुआत में उन्हें परेशान करना शुरू किया था। इस दौरान, उन्होंने उन्हें गलत मैसेज भेजे और उनके कमरे में भी घुसे। सूत्र ने बताया कि पॉलोस को इस महीने की शुरुआत में साई के इंफाल सेंटर में ट्रांसफर कर दिया गया था, ताकि वह जांच को प्रभावित न कर सकें या शिकायत करने वाले को डरा न सकें। सूत्र ने कहा, जांच के नतीजों के आधार पर सही कार्रवाई की जाएगी। साल 2024 में हुए एथेंस ओलंपिक में पुरुषों की सिंगल स्कल्स में हिस्सा लेकर ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले पहले भारतीय रोवर (नाविक) बने पॉलोस ने 2002 के बुसान एशियन गेम्स में जेनिल कृष्णन, इंदरपाल सिंह और रोशन लाल के साथ कॉक्सलेस फोर इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उन्हें रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भारतीय टीम का हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर बनाया था।

एशियन बीच गेम्स: महिला कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड, पुरुष टीम भी फाइनल में पहुंची

सान्या (चीन) ,एजेंसी। भारतीय महिला बीच कबड्डी टीम ने सोमवार को यहां एशियन बीच गेम्स के फाइनल में श्रीलंका को आसानी से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, पुरुष टीम ने भी फाइनल का टिकट कटा लिया है। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन बीच गेम्स चैंपियन श्रीलंका को 47-31 से हराया। यह एशियन बीच गेम्स के इस संस्करण में भारत का पहला गोल्ड है। इससे पहले, भारतीय महिलाओं ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 50-31 से हराकर पहला मेडल पक्का किया था। साई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया), गांधीनगर, ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, चीन के सान्या में इतिहास रचा गया! भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीन में हुए 6वें एशियन बीच गेम्स में श्रीलंका को 47-31 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। यह इन गेम्स में भारत का पहला मेडल है। साई आरसी गांधीनगर नेशनल कोचिंग कैंप में की गई कड़ी मेहनत सच में रंग लाई है। इस बीच, पुरुषों की टीम ने भी पाकिस्तान पर 50-27 से शानदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई और भारत का दूसरा मेडल पक्का किया। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) द्वारा आयोजित एशियन बीच गेम्स एक मल्टी-स्पोर्ट इवेंट है जो बीच और तटीय खेलों पर फोकस करता है। पहली बार 2008 में इंडोनेशिया के बाली में हुए इन गेम्स में ऐसे खेल दिखाए गए जो हमेशा एशियन गेम्स में शामिल नहीं होते थे। एशियन बीच गेम्स आखिरी बार 2016 में वियतनाम के डा नांग में हुए थे। इसके बाद इसके अगले संस्करण का आयोजन साल 2020 में होना था। हालांकि, कोविड-19 महामारी के कारण इसमें काफी देरी हुई, और अब यह इवेंट एक दशक बाद खेला जा रहा है। 2026 एडिशन पूरी तरह से रिसॉर्ट शहर सान्या में हो रहा है, और भारत ने 31 खिलाड़ियों का दल भेजा है।

2016 एडिशन में, भारत ने 24 मेडल जीते थे, जिसमें दो गोल्ड, चार सिल्वर और 18 ब्रॉन्ज शामिल थे। महिला कबड्डी टीम ने गोल्ड जीता था, जबकि पुरुष टीम को सिल्वर से संतोष करना पड़ा था। भारत को दूसरा गोल्ड मेडल वोकोट्रूएन में मिला था, जहां श्वेता मोरे ने महिलाओं के 52 किलोग्राम इवेंट में जीत हासिल की थी।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अधिकारी समन्वय से प्रयास करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समन्वय से प्रयास करें। स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं एवं शिशुओं की स्वास्थ्य रक्षा के लिए मिलकर प्रयास करें। कार्य योजना बनाकर ग्राम स्तर तक एक-दूसरे से सहयोग करते हुए कुपोषण पर नियंत्रण गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और नियमित जाँच तथा शिशुओं के टीकाकरण के प्रयास करें। दोनों विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी विकासखण्ड स्तर पर संयुक्त बैठक करके मैदानी अमले को सेंसिटाइज करें। हर माता और शिशु के प्राणों की रक्षा करना हमारा दायित्व है। शासन द्वारा निर्धारित समीक्षा बैठक भी तय समय पर आयोजित करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान में हर व्यक्ति योगदान दे

संयुक्त संचालक स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग जिला स्तर की मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित कराएं इनमें लिए गए निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में इस अभियान को व्यापक पैमाने पर चलाएं। जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजनता का सहयोग लेकर जल संरक्षण के कार्य करें प्राचीन बावड़ी कुंओं तालाबों तथा नदियों के उद्गम स्थलों की साफ-सफाई कराएं अभियान में शामिल विभागों की कार्ययोजना के अनुसार जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य कराएं। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन अभियान चलाकर नहरों को अतिक्रमण मुक्त कराने और साफ-सफाई के प्रयास करें अब तक की विभागीय उपलब्धि बहुत कम है संयुक्त संचालक कृषि तथा उद्यानिकी प्रत्येक क्लस्टर में जल संरक्षण से संबंधित कार्यशाला आयोजित करें इनमें विभागीय योजनाओं की भी जानकारी किसानों को दें बलराम तालाब स्प्रिंकलर ड्रिप सिंचाई के लिए किसानों का चयन कर लक्ष्य के अनुसार उन्हें लाभान्वित करें। संभाग के सभी नगर निगम क्षेत्रों तथा नगर परिषदों में भी जल संरक्षण संवर्धन और साफ-सफाई का अभियान चलाएं शिक्षा विभाग मछलीपालन विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग जल संरक्षण कार्यो पर विशेष ध्यान दें अधीक्षण यंत्री पीएचई नलजल योजनाओं की जियो टैगिंग तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने का कार्य तत्परता से कराएं जल संरक्षण के कार्यों की जानकारी फोटो सहित पोर्टल पर अपलोड करें तथा जनसम्पर्क विभाग को उपलब्ध कराकर प्रचार-प्रसार कराएं कमिश्नर ने कहा कि गेंहू उपार्जन केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों के लिए पानी, छाया, शौचालय आदि की व्यवस्थाएं कराएं खरीदी केन्द्रों में आवश्यक मात्रा में बारदाने उपलब्ध कराएं जिससे उपार्जन में किसी तरह की बाधा न आए। उपार्जित गेंहू का तत्काल उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं और किसान को तीन दिन में राशि का भुगतान कराएं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि जिला स्वास्थ्य समिति की हर माह बैठक आयोजित करें प्रसव के दौरान माता अथवा शिशु के मौत की प्रत्येक घटना का निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार आडिट कराएं इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। निक्षय अभियान के तहत समाजसेवियों से संपर्क करके प्रत्येक क्षय रोगी को अतिरिक्त पोषण आहार के लिए फूड बास्केट उपलब्ध कराएं पोषण पुनर्वास केन्द्र की सभी सीटों में कम पोषित बच्चों की भर्ती सुनिश्चित करें।

विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बने पंचूलाल प्रजापति पूर्व जिलाध्यक्ष को उपाध्यक्ष की कमान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी आदेश में विंध्य विकास प्राधिकरण में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है इसमें पंचूलाल प्रजापति को अध्यक्ष बनाया गया है वहीं उपाध्यक्ष पद पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजय सिंह पटेल और संजय तिवारी की नियुक्ति की गई है ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं पिछले विधानसभा में कटा था टिकट राजनीतिक तौर पर यह नियुक्ति खास मानी जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में मनगवां विधानसभा सीट से पंचूलाल प्रजापति का टिकट काटकर नरेंद्र प्रजापति को उम्मीदवार बनाया गया था। इसके बाद से पंचूलाल प्रजापति को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिली थी खास बात यह भी है कि 8 मार्च को रीवा दौरे पर पहुंचे अरुण सिंह (भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव) ने पहले ही संकेत दिए थे कि पंचूलाल प्रजापति को जल्द बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश ऐसे में अब उन्हें प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाए जाने को संगठनात्मक संतुलन और वरिष्ठ नेता को सक्रिय भूमिका देने के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि इस फैसले से क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश भी की गई है।

शकरवट क्षेत्र में बिना लीज के अवैधानिक तरीके से की जा रही ब्लास्टिंग-आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के तहसील हुजूर सर्किल के मनकुइया क्षेत्र के शकरवट में पिछले कई वर्षों से अवैध तरीके से बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की जा रही है। आरोप हैं कि खनिज माफिया द्वारा निर्धारित लीज क्षेत्र से हटकर क्रेशर में अवैध उत्खनन और ब्लास्टिंग की गतिविधियाँ की जा रही हैं जो न केवल पर्यावरण के लिए खतरनाक हैं, बल्कि स्थानीय लोगों की जान-माल के लिए भी गंभीर खतरे का कारण बन रही हैं इस इलाके में हुई एक घटना ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया, जब शकरवट गांव में ब्लास्टिंग के दौरान एक महिला की मौत हो गई थी। इसके बाद भी स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

स्थानीय निवासी और समाजसेवी अब आरोप लगा रहे हैं कि खनिज विभाग पुलिस प्रशासन और राजस्व विभाग की भूमिका संदिग्ध है क्योंकि वे लगातार हो रही अवैध गतिविधियों पर चुप हैं समाजसेवियों का कहना है कि इन विभागों की लापरवाही के कारण खनिज माफिया ने अपनी गतिविधियों को और बढ़ा लिया है। आरोप है कि अवैध उत्खनन के जरिए पत्थरों की सप्लाई क्रेशर संचालकों को की जा रही है और यह सब डंके की चोट पर हो रहा है बिना किसी डर या रोक-टोक के खनिज माफिया अपने मुनाफे के लिए इस गैरकानूनी काम को जारी रखे हुए हैं ब्लास्टिंग और अवैध उत्खनन के काम बेलास, सकरवट, बांकुइयां और धूलगढ़ जैसे क्षेत्रों में लगातार हो रहे हैं और इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है यह स्थिति खनिज माफियाओं के हौसले को और भी बुलंद कर रही है इस संदर्भ में एडवोकेट बीके माला ने तत्काल इस अवैध गतिविधि पर रोक लगाने की मांग की है स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह स्थिति इसी तरह जारी रही तो न केवल और अधिक जान-माल का नुकसान होगा, बल्कि पूरे क्षेत्र का पर्यावरण भी नष्ट हो सकता है। नागरिकों ने अधिकारियों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करें और खनिज माफिया की अवैध गतिविधियों को रोकें अब देखना यह है कि क्या संबंधित विभाग इन आरोपों पर कार्रवाई करते हुए अवैध ब्लास्टिंग पर रोक लगाएंगे या फिर यह गंभीर समस्या यूं ही अनसुलझी रह जाएगी।

प्रदेश की जेलों में आयोजित हुई विशेष जेल लोक अदालत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक के नेतृत्व तथा न्यायमूर्ति विवेक रूसिया प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में जेलों में निरुद्ध बंदियों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया जिसके तहत गत 26 अप्रैल को मध्य प्रदेश राज्य में प्रथम पहल के रूप में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित विशेष जेल लोक अदालत का शुभारंभकेंद्रीय जेल ग्वालियर से न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति आनंद पाठक, प्रशासनिक न्यायाधिपति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर एवं अध्यक्ष, उच्च

न्यायालय विधिक सेवा समिति, ग्वालियर तथा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतिगण की उपस्थिति रही न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोई भी व्यक्ति जन्म से अपराधी नहीं होता, बल्कि परिस्थितियाँ निर्णय और कभी-कभी भाग्य उसे उस मार्ग पर ले जाते हैं किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि प्रत्येक व्यक्ति में परिवर्तन की अपार क्षमता निहित होती है इतिहास सा है कि जिन्होंने जीवन में अंधकारमय मार्ग अपनाया वे भी आत्मबोध एवं दृढ़ संकल्प के माध्यम से महान व्यक्तित्व में परिवर्तित हुए हैं महर्षि वाल्मीकि इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं जो कभी डाकू थे किंतु आत्मजागरण के पश्चात एक महान ऋषि के रूप मे पूज्य हुए। उन्होंने कहा कि जीवन प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं को सुधारने एवं नई दिशा चुनने का अवसर प्रदान करता है उन्होंने बंदियों को इस अवसर का आत्ममंथन के लिए उपयोग करने अपनी त्रुटियों से सीखने तथा बेहतर भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित किया उन्होंने बंदियों आग्रह किया कि वे नए कौशल अर्जित करें तथा अपनी अंतर्निहित प्रतिभाओं को विकसित करें। उन्होंने कहा कि लोक अदालत केवल विवाद निवारण का मंच नहीं है बल्कि यह एक नई शुरुआत का सशक्त माध्यम है ।

कलेक्टर मऊगंज ने आमजनता के आवेदनों में की जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों में जनसुनवाई की जनसुनवाई में गलबल साकेत निवासी ग्राम सलैया ने उनके पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जा रोकने तथा कच्चे मकान की सुरक्षा के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हनुमना को मौके पर जाकर सुनवाई करके प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए चौरसिया कहार निवासी ग्राम बिछरहटा ने सेवा सहकारी समिति में किए गए चौकीदारी कार्य का पाँच वर्ष की राशि के भुगतान के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने महाप्रबंधक सहकारी बैंक को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कामना केवट निवासी ग्राम बिछरहटा ने सेवा सहकारी समिति बिछरहटा में उनके खाते में जमा दो लाख 10 हजार रुपए देने के लिए आवेदन

दिया। कलेक्टर ने महाप्रबंधक सहकारी बैंक को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। समर बहादुर सिंह निवासी झलवार ने उनके पुत्र पंकज सिंह की मृत्यु के बाद अनुग्रह सहायता राशि के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीईओ नईगढ़ी को तत्काल अनुग्रह राशि सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गीता देवी मिश्रा निवासी ग्राम अकौरी ने उनकी जमीन को जालसाजी करके बैंक में बंधक बनाने तथा जमीन में किए गए अवैध कब्जे को हटाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार नईगढ़ी को मौके पर जाकर सुनवाई कर कार्यवाही के निर्देश दिए जनसुनवाई में राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम तारी ने नक्शा तरमीम में सुधार के लिए आवेदन दिया कलेक्टर ने तहसीलदार नईगढ़ी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सविताबाई सरपंच ग्राम हर्दिहा ने हैण्डपंप लगाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत हनुमना को ग्राम पंचायत में पेयजल की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 113 आवेदकों की समस्यायें सुनीं जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर का नवाचार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में 113 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े खण्ड स्तरीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों में कार्यवाही करने के निर्देश दिये जनसुनवाई में कलेक्टर ने नवाचार करते हुए खण्ड स्तरीय अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा तथा निर्देश दिये कि विभागीय अधिकारी व अन्य अधिकारी जनसुनवाई के प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ समुचित कार्यवाही करें। अपने स्तर पर जनसुनवाई करें ताकि आवेदकों को अनावश्यक न आना पड़े साथ ही आवेदकों को स्पष्ट बतायें कि प्रकरण किस स्तर पर निराकृत हो सकता है उन्होंने आगाह किया कि

कोई भी आवेदक यदि कलेक्ट्रेट में दो बार के अतिरिक्त तीसरी बार आवेदन लेकर आयेगा तो संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही होगी कलेक्टर ने कहा कि समय सीमा में प्रकरणों के निराकृत न होने पर संबंधित से अर्थदण्ड भी वसूला जायेगा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में खरीदी केन्द्र रूपौली के किसानों ने स्लाट बुक होने के उपरांत भी गेंहू की खरीदी न होने का आवेदन दिया जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर तत्काल खरीदी करने के निर्देश दिये खाम्हा निवासी गणेश प्रसाद साकेत के जमीन से कब्जा हटाने के आवेदन पर तहसीलदार गुढ़ व मनोज साकेत मध्येपुर निवासी के शासकीय भूमि में खनित हैण्डपंप को जबरन कब्जा किये जाने के आवेदन पर तहसीलदार को एक सप्ताह में कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया इसी प्रकार मार्तण्ड सिंह के जमीन में अतिक्रमण कर सड़क निर्माण के आवेदन पर तहसीलदार सेमरिया को कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने व्ही.सी. के माध्यम से दिये जनसुनवाई में मझियारी के जगदीश सिंह के अनाधिकृत कब्जा के आवेदन पर तहसीलदार त्योंथर को बृजेन्द्र शर्मा डेल्ही के सीमांकन के आवेदन पर तहसीलदार मनगवां को टिकुरी निवासी रामलाल के सीमांकन के आवेदन पर तहसीलदार हुजूर को एक सप्ताह में समुचित कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर ने दिये। विद्याधर प्रसाद निवासी कौआढ़ान के खाद्य रजिस्ट्रेशन में अनियमितता के आवेदन को खाद्य विभाग को संकल्प श्रीवास्तव निवासी घोघर के जांच की नकल के आवेदन को नजूल शाखा को तथा हटवा निवासी रामखेलावन कुशवाहा के बंटवारा के आवेदन पर नायब तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को समुचित कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।

रीवा की फोरलेन बनी मौत का कॉरिडोर

बिना फिटनेस दौड़ते केसीसी के ट्रक, हादसे के बाद दलालों का पैसा खेल प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में निर्माणाधीन फोरलेन सड़क अब विकास की मिसाल नहीं बल्कि मौत का कॉरिडोर बनती जा रही है रतहरा से चोरहटा तक चल रहे इस प्रोजेक्ट में कार्यरत केसीसी कंपनी पर एक बार फिर गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं आरोप है कि कंपनी के भारी वाहन बिना फिटनेस के ही सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं जिससे आम लोगों की जान हर पल जोखिम में है ताजा मामला शहर के बोदा बाग क्षेत्र का है जहां एक राहगीर केसीसी कंपनी के तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया चश्मदीदों के मुताबिक ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और राह चलते व्यक्ति को कुचल दिया हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए घटना के बाद जो तस्वीर सामने आई उसने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं आरोप है कि जैसे ही पीड़ित पक्ष शिकायत दर्ज कराने पहुंचा कंपनी से जुड़े कथित दलाल सक्रिय हो गए उन्होंने मामले को दबाने के लिए पीड़ित को पैसों का ऑफर दिया और समझौते का दबाव बनाया सूत्रों की मानें तो सेटलमेंट के जरिए मामला रफा-दफा करने की कोशिश की गई जिससे न्याय व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल उठने लगे हैं सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन वाहनों से खनिज और निर्माण सामग्री का परिवहन किया जा रहा है उनमें से कई के पास वैध फिटनेस सर्टिफिकेट तक नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर परिवहन विभाग और जिम्मेदार अधिकारी क्या कर रहे हैं क्या नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन वाहनों के खिलाफ आवाज उठाना आसान नहीं है। जो भी व्यक्ति विरोध करता है उसे या तो धमकाकर चुप करा दिया जाता है या फिर पैसों के दम पर मामला दबा दिया जाता है यही कारण है कि लगातार शिकायतों के बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही गौरतलब है किकेसीसी कंपनी पहले भी घटिया निर्माण धूल प्रदूषण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर विवादों में रह चुकी है लेकिन हर बार जांच और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई जिससे कंपनी के हौसले और बुलंद होते गए अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है क्या आम नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं बची अगर बिना फिटनेस के दौड़ते इन मौत के वाहनों पर जल्द लगाम नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में और भी दर्दनाक घटनाएं सामने आ सकती हैं रीवा की सड़कों पर दौड़ते ये बेकाबू ट्रक अब सिर्फ ट्रैफिक का हिस्सा नहीं बल्कि हर गुजरते इंसान के लिए खतरे की घंटी बन चुके हैं जरूरत है सख्त कार्रवाई की ताकि विकास के नाम पर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ बंद हो सके।

शा. कालेज दिव्यगवा में तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय दिव्यगवां में स्टैंडर्ड्स क्लब के अंतर्गत तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम भारतीय मानक ब्यूरो उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में संपन्न हुआ।प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में गुणवत्ता सुरक्षा और मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। घरेलू गैस चूल्हों से संबंधित भारतीय मानक इूस 4246:2002 पर आधारित प्रश्नों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी तकनीकी समझ का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता परिणाम में प्रथम स्थान: कोमल जायसवाल (बीएससी प्रथम वर्ष) 1000

की प्रोत्साहन राशि द्वितीय स्थान: कीर्ति सिंह (बीएससी द्वितीय वर्ष) 750 की प्रोत्साहन राशि तृतीय स्थान: रियांसी रजक (बीएससी प्रथम वर्ष) 500 की प्रोत्साहन राशि चतुर्थ स्थान: आशिखा कुशवाहा (बीएससी द्वितीय वर्ष) 250 की प्रोत्साहन राशि दी गयी।इस प्रतियोगिता में मेंटर डॉ. बी. पी. सिंह का विशेष मार्गदर्शन रहा, वहीं प्रतियोगिता के वीक्षक एवं मूल्यांकनकर्ता डॉ. वियोग सिंह यादव एवं डॉ. ज्ञानेंद्र पाठक रहे। जिन्होंने निष्पक्ष रूप से मूल्यांकन कार्य संपन्न किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ गुणवत्ता एवं मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।